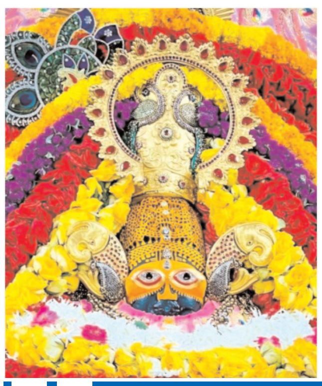

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:331। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 22 जुलाई 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सिक्किम टनल हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 10

•ज़हरीली गैस-खराब मौसम के बीच बचाव कार्य जारी

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम के नाम्ची जिले के समरदुंग क्षेत्र में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग (टनल) में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

प्रशासन ने आशंका जताई है कि टनल के भीतर अभी भी कई मजदूर फंसे हो सकते हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य पुलिस, दमकल और अन्य राहत एजेंसियां

लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रही हैं। नाम्ची जिले की पुलिस अधीक्षक सोनाम डोल्मा भोटिया ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि अब तक टनल से 10 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें सात मृतकों की पहचान कर ली गई है, जबकि तीन शवों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

पहचान किए गए मृतकों में तीन पश्चिम बंगाल, जबकि एक-एक सिक्किम, उत्तराखंड, पंजाब और असम के निवासी हैं उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन मृतकों के परिजनों से लगातार संपर्क में है। जिन परिवारों से संपर्क स्थापित हो चुका है, उन्हें सभी आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मंगलवार को शव सौंप दिए जाएंगे।

सिक्किम सुरंग हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख की सहायता की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा, प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुखद घटना से वह बेहद व्यथित हैं और इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि घायलों को हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अमित शाह ने सिक्किम के मुख्यमंत्री को 'नामची' भूस्खलन पर हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से बातचीत कर नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग के पास हुए भूस्खलन के बाद की स्थिति और जारी राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। शाह ने मुख्यमंत्री से कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में सिक्किम के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने बचाव अभियान को सफल बनाने तथा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि फंसे लोगों को जल्द सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा और प्रभावित परिवारों को हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम सुरंग हादसे पर जताया दुख

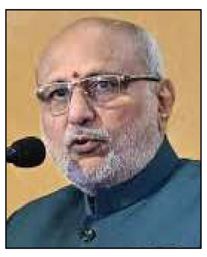

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सिक्किम के नामची जिले में बन रही सुरंग में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, इस जिले में बन रही सुरंग में हुए हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख हुआ। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि जिन्होंने अपनों को खोया है उन्हें हिम्मत और साहस मिले, जो लोग फंसे हुए हैं उन्हें सुरक्षित निकाला जा सके और घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं।

नगालैंड में बारिश का कहर: मृतकों की संख्या नौ पहुंची, चार अब भी लापता

कोहिमा। नगालैंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने व्यापक तबाही मचाई है। राज्य में इस आपदा में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। मोन जिले में मंगलवार को पांच और शव बरामद किए गए, जबकि चार लोग अब भी लापता हैं। राहत एवं बचाव दल उनकी तलाश में लगातार अभियान चला रहे हैं। यह जानकारी नगालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनएसडीएमए) ने दी। एनएसडीएमए के अनुसार, प्रारंभिक आकलन में राज्यभर में 7,460 से अधिक लोग बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, विस्तृत सर्वेक्षण के बाद प्रभावित लोगों और संपत्ति के नुकसान का आंकड़ा और बढ़ने की संभावना है। सबसे अधिक प्रभावित मोन जिला रहा, जहां अब तक सभी नौ मौतें दर्ज की गई हैं। इनमें से पांच लोगों की मौत मोन शहर के शांतम वार्ड में हुए भूस्खलन में हुई। प्रशासन के अनुसार, राहत एवं बचाव दल लगातार मलबा हटाने और लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

कर्नाटक कैबिनेट के विस्तार पर दिल्ली में मंथन तेज, जल्द हो सकता है मंत्रियों के नाम का ऐलान

बेंगलुरु । कर्नाटक में लंबे समय से लंबित कैबिनेट विस्तार को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य सिद्दारमैया तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे। माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिनों में कांग्रेस हाईकमान के साथ महत्वपूर्ण बैठकों के बाद कैबिनेट विस्तार पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, डीके शिवकुमार फिलहाल दिल्ली में ही रुकेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे कांग्रेस नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकों में शामिल होंगे, जहां नए मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। संभावना है कि बुधवार तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी और इस सप्ताह के अंत तक कैबिनेट विस्तार की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। 3 जून को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही कैबिनेट विस्तार लंबित है। इस बीच कई वरिष्ठ और युवा कांग्रेस नेता मंत्री पद के लिए सक्रिय रूप से दावेदारी कर रहे हैं।
बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि जैसे ही कांग्रेस हाईकमान की मंजूरी मिलेगी, कैबिनेट विस्तार तुरंत किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'राज्य के नेता दिल्ली गए हैं। सूची को मंजूरी मिलने के बाद राज्यपाल से समय लिया जाएगा और उसके बाद नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस का हमला, कहा-अमित शाह दोनों सदनों में दें स्पष्टीकरण

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस के सांसदों ने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज, आंसू गैस के इस्तेमाल और पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। पार्टी नेताओं ने संसद में इस पूरे मामले पर चर्चा कराने और गृह मंत्री अमित शाह से दोनों सदनों में विस्तृत बयान देने की मांग की। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश और राजधानी से जुड़े कई गंभीर मुद्दे संसद के सामने हैं, जिन पर चर्चा होना आवश्यक है। यदि संसद ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर बहस का मंच नहीं बनेगी, तो फिर चर्चा कहां होगी। थरूर ने लोकसभा अध्यक्ष से हस्तक्षेप कर संसद में जारी गतिरोध समाप्त कराने और छात्रों के विरोध प्रदर्शन, भूख हड़ताल, पुलिस कार्रवाई तथा हिंसा सहित पूरे घटनाक्रम पर खुली चर्चा कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस घटना में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए और करीब 100 लोगों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

पीएम आवास के पास कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

●राहुल-प्रियंका समेत कई नेता धरने पर बैठे, कई नेता हिरासत में

एजेंसी

दिल्ली । राजधानी दिल्ली में राजनीतिक पारा उस वक्त चढ़ गया जब कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने सीधे लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने की कोशिश की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल और पवन खेड़ा सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी समेत अन्य सांसदों व नेताओं को पुलिस ने डिटेन किया है। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की, भारी पुलिस बल तैनात प्रदर्शनकारी नेता देश में शिक्षा व्यवस्था के मुद्दों और हालिया विवादों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पीएम आवास की ओर बढ़ रहे थे। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस व धक्का-मुक्की हुई।

राहुल, प्रियंका और खरगे समेत कई नेता हिरासत मेंसुरक्षा घेरा तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल सहित कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं को दिल्ली पुलिस ने मौके से हिरासत (Detain) में ले लिया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में धारा 144 लागू होने और सुरक्षा कारणों के चलते यह कार्रवाई की गई है। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं और छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और युवाओं को न्याय मिलने तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

राहुल गांधी ने प्रदर्शन में घायल छात्रों से अस्पताल जाकर मुलाकात की

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल पहुंचे और जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान घायल हुए छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों से उनके उपचार की जानकारी ली। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने अस्पताल में भर्ती छात्रों से बातचीत कर उनकी स्थिति की जानकारी ली।

आरएमएल अस्पताल में घायल युवाओं से मिले जेपी नड्डा, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को अचानक कॉकरोच जनता पार्टी के संसद' मार्च के दौरान हुई झड़प और पुलिस कार्रवाई में घायल युवाओं का हाल जानने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री ने घायल युवाओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों के साथ बैठक की। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से इलाज की जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद वे लेडी हार्डिंग अस्पताल भी पहुंचे।

असम में बाढ़ का प्रकोप बरकरार

मृतकों की संख्या 13 पहुंची, 11 जिलों के 3.13 लाख से अधिक लोग प्रभावित

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है, चराइदेव, शिवसागर और जोरहाट शामिल हैं। अकेले शिवसागर जिले में करीब 1.58 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्यभर में 794 गांव जलमग्न हो चुके हैं, जबकि

जबकि 11 जिलों के 3.13 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। पड़ोसी पहाड़ी राज्यों, विशेषकर नगालैंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण अचानक आई बाढ़ से राज्य की कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित जिलों में 19,099 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि बाढ़ के पानी में डूब गई है। इसके अलावा लगभग 5.97 लाख पशु एवं पोल्ट्री भी प्रभावित हुए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। बाढ़ का असर सड़क और रेल यातायात पर भी पड़ा है। नाजिरा-गेलेकी सड़क का एक बड़ा हिस्सा बह जाने से शिवसागर और नाजिरा के बीच सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। वहीं टियक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-715 जलमग्न होने से आवागमन प्रभावित है।

संसद के दोनों सदनों में हंगामा, लोकसभा और राज्यसभा बुधवार तक स्थगित

यह मानसून सत्र का दूसरा दिन था और लगातार दूसरे दिन संसद की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई

एजेंसी

नई दिल्ली । मानसून सत्र के दूसरे दिन भी संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही भारी हंगामे के कारण नहीं चल सकी। लगातार शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार, 22 जुलाई, सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष का कहना है कि वे संसद में नीट परीक्षा, पेपर लीक व जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का विषय उठाना चाहते हैं। वहीं राज्यसभा में उपसभापति ने विपक्ष से शांति बनाए रखने और नियम आधारित कार्यवाही से चलने का अनुरोध किया। लेकिन दोनों ही सदनों में हंगामा जारी रहा और संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई इसके कुछ ही देर बाद विपक्ष ने नीट परीक्षा व पेपर लीक पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस विषय पर अपनी बात भी रखी लेकिन इसके बाद ही हंगामा शुरू हो गया। जल्द ही सदन की करवाई को स्थगित करना पड़ा। राज्यसभा की कार्यवाही पहले 12 तक स्थगित की गई लेकिन 12

बजे भी यही क्रम चालू रहा। इसके बाद सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की गई। दो बजे भी सदन में हंगामा बरकरार रहा जिस को देखते हुए सदन की कार्यवाही अगले दिन यानी बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं लोकसभा में भी विपक्ष ने नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते यहां भी कार्यवाही बुधवार तक के लिए तक स्थगित की गई। कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत काम रोकने का नोटिस दिया था। ये सांसद नीट यूजी 2026 व पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। सत्र शुरू होते ही विपक्षी दलों के सांसद विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सदन के वेल में पहुंच गए। सांसदों ने नारेबाजी की और सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। हंगामे के कारण दोनों सदनों में प्रश्नकाल और सूचीबद्ध विधायी कार्य नहीं हो सके। पीठासीन अधिकारियों ने कई बार सदस्यों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने देने की अपील की, लेकिन विपक्षी सांसदों के हंगामे के चलते कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी। लोकसभा में विपक्षी सांसदों के वेल में आने और लगातार नारेबाजी के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही। इसी तरह राज्यसभा में भी विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सदन में कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं हो सका। अंतत दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

दिल्ली कूच को रोकने के लिए पुलिस ने सील की सीमाएं

किसान बोले-'टकराव नहीं, संवाद चाहते हैं'

एजेंसी

पटियाला । भारत-अमेरिका प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में पंजाब से हजारों किसान मंगलवार सुबह से दिल्ली कूच के लिए निकले लेकिन उन्हें शंभू, कुंडली और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस द्वारा रोक दिया गया। पुलिस ने सीमा पर भारी बैरिकेडिंग कर रास्ता बंद कर दिया। वहीं, किसानों ने साफ किया कि वे किसी भी बैरिकेड को तोड़ने की कोशिश नहीं करेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 'देश बचाओ मोर्चा' के तहत पहले ही यह फैसला लिया गया था कि किसान किसी भी बैरिकेड को तोड़कर आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसी तरह का टकराव उनकी रणनीति का हिस्सा नहीं है। पंधेर ने बताया कि किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी और दिल्ली में किसानों की गिरफ्तारी के बाद किसानों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि उनकी पहली मांग गिरफ्तार किसानों की रिहाई है। इसके साथ ही वे चाहते हैं कि केंद्र सरकार बातचीत का रास्ता खोले और किसानों की चिंताओं को सुने। उन्होंने बताया कि उनकी अंबाला

के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से बातचीत हुई थी। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उन्हें ऊपर से निर्देश मिले हैं कि किसानों को आगे नहीं जाने दिया जाएगा। हालांकि, किसानों ने प्रशासन से पूछा कि उन्हें रोकने की आधिकारिक वजह क्या है लेकिन इस संबंध में कोई सार्वजनिक आदेश या अधिसूचना नहीं दिखाई गई।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

सोनम वांगचुक को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। यह याचिका उस सिंगल

●मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल में शिफ्ट किया जाए।

जज के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें सोनम वांगचुक को उनकी पसंद के निजी अस्पताल में शिफ्ट करने संबंधी अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ने अदालत को बताया कि कोर्ट के पहले के निर्देशों के अनुसार एम्स के डॉक्टर लगातार वांगचुक की निगरानी कर रहे हैं और उनकी मेडिकल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं, गीतांजलि अंगमो

ने अदालत में एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें सोनम वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट और डॉक्टरों की सलाह को रिकॉर्ड पर रखा गया। उनके वकील ने उन डॉक्टरों का पत्र भी अदालत में पेश किया, जो लंबे समय से वांगचुक का इलाज और चिकित्सकीय सलाह देते रहे हैं। इसके साथ ही उस डॉक्टर का पत्र भी जमा किया गया, जो उनके विरोध प्रदर्शन के दौरान उनका उपचार कर रहे थे। गीतांजलि अंगमो के वकील ने अदालत को बताया कि संबंधित डॉक्टरों ने वांगचुक की प्रत्यक्ष क्लिनिकल जांच नहीं की है, लेकिन उन्होंने उपलब्ध मेडिकल रिपोर्ट और उनकी पूरी मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर अपनी पेशेवर राय दी है। सुनवाई के दौरान एएसजी ने अदालत को बताया कि सबसे बड़ी चिंता वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट में टीएलसी 2.9 होना है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद गंभीर है और इससे शॉक, संक्रमण तथा मल्टीपल ऑर्गन फेलियर का खतरा पैदा हो सकता है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
22 जुलाई 2026

पेपर लीक को लेकर अहमदाबाद में युवाओं का विरोध: केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पेपर लीक की घटनाओं के खिलाफ आज अहमदाबाद शहर में युवाओं और छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अलग-अलग कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं के पेपर लीक की लगातार हो रही घटनाओं को लेकर युवाओं में काफी गुस्सा और नाराजगी है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान गुस्साए युवाओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तुरंत इस्तीफे की मांग की। छात्र संगठनों और युवा नेताओं द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने हाथों में नारे लिखे प्लेकार्ड और बैनर लेकर बेरोजगारी और शिक्षा क्षेत्र में अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाई। युवाओं का कहना है कि सालों की मेहनत के बाद जब परीक्षा का समय आता है तो पेपर लीक हो जाते हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। मौके पर युवाओं ने धमकी दी कि अगर पेपर लीक करने वाले माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई और परीक्षा सिस्टम में पारदर्शिता नहीं लाई गई तो आने वाले दिनों में यह विरोध और तेज होगा। युवाओं ने आंदोलन जारी रखने का अपना इरादा ज़ाहिर किया है और साफ़ मांग की है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफ़ा दें।

अहमदाबाद के पास चांगोदर पुलिस की रेड: 39.57 करोड़ रुपये के भारी मात्रा में पटाखे ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद रूरल पुलिस और चांगोदर पुलिस स्टेशन की एक टीम ने एक बड़ा और सफल ऑपरेशन किया है और गैर-कानूनी तरीके से रखे गए 39.57 करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत के भारी मात्रा में पटाखे ज़ब्त किए हैं। पुलिस ने मोदासर गांव चौराहे से अमथापुर जाने वाले रास्ते पर मौजूद 'अंबिका ट्रेड लिंक' के गोदामों पर रेड मारकर यह कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चांगोदर पुलिस टीम को पेट्रोलिंग के दौरान खास जानकारी मिली कि मोदासर-अमथापुरा रोड पर अंबिका ट्रेड लिंक नाम के एक गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे रखे गए हैं। जानकारी के आधार पर, पुलिस ने दो बड़े गोदामों पर रेड की और बाहरी शेड में पटाखों के 65,954 कार्टन मिले। जांच के दौरान पता चला कि पटाखों का स्टॉक नियमों से ज़्यादा रखा गया था और मंजूर लिमिट और काफ़ी सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया था। चांगोदर पुलिस ने तुरंत इंसानी जान और आस-पास के इलाके की सुरक्षा को खतरे में डालने का केस दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस ने गोदाम मैनेजर किशन पटेल (Res. दहेगामडा, बावला) और बिज़नेस लाइसेंसी अमित मोदी (Res. सैटेलाइट, अहमदाबाद) के ख़िलाफ़ केस दर्ज करके दोनों को गिरफ़्तार कर लिया है। चांगोदर पुलिस ने एक्सप्लोसिव एक्ट और नियमों के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

नसीरनगर तोड़फोड़ मामले में हाई कोर्ट फिर से गुस्से में 'राज्य सरकार हमारी आंखों में धूल झोंकने की कोशिश न करे'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/अहमदाबाद। सूरत के बहुचर्चित नसीरनगर तोड़फोड़ मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने एक बार फिर राज्य सरकार और सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडमिनिस्ट्रेशन को कड़ी फटकार लगाई है। सुनवाई केदौरान हाई कोर्ट ने अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए तीखी टिप्पणी की कि, 'राज्य सरकार को हाई कोर्ट की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।' कोर्ट ने सिर्फ़ निचले लेवल के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाकर बड़े अधिकारियों को बचाने की पॉलिसी का कड़ा विरोध किया है। घटना की जानकारी के मुताबिक, सूरत के नसीरनगर इलाके में किए गए गैर-कानूनी या विवादित तोड़फोड़ के काम ('घोस्ट डिमोलिशन') को लेकर प्रभावित लोगों ने हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। जिस तरह से एडमिनिस्ट्रेशन ने बिना सही कानूनी प्रोसेस और नोटिस के तोड़फोड़ की बुलडोज़र कार्रवाई की, उसे लेकर हाई कोर्ट ने शुरू से ही कड़ा रुख अपनाया है। पिछली सुनवाई में, हाई कोर्ट के सख्त रुख के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने कुछ निचले लेवल के कर्मचारियों और डिप्टी इंजीनियरों के खिलाफ सस्पेंशन समेत कार्रवाई दिखाई थी। हालांकि, आज की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार और म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन के इन कदमों को नाकाफी और पक्षपाती बताया। कोर्ट ने तीखे सवाल पूछे और पूछा कि अगर छोटे और निचले लेवल के कर्मचारियों को सस्पेंड किया जा सकता है, तो सूरत के म्युनिसिपल कमिश्नर, जो इतनी बड़ी गड़बड़ियों और गलत कामों के लिए जिम्मेदार हैं, अभी भी अपने पद पर क्यों हैं? म्युनिसिपल कमिश्नर के खिलाफ अभी तक कोई डिसिप्लिनरी या कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? हाई कोर्ट ने साफ चेतावनी दी है कि सरकारी सिस्टम कानून से ऊपर नहीं है और नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन करके की गई ऐसी मनमानी कार्रवाई को कोर्ट अनदेखा नहीं करेगा। सिस्टम द्वारा पेश किए गए स्पष्टीकरण से बहुत नाखुशी जताते हुए, कोर्ट ने जिम्मेदार सीनियर अधिकारियों की भूमिका पर सफाई मांगते हुए मामले की आगे की सुनवाई टाल दी है। अब पूरे राज्य की नजर है कि अगली सुनवाई में राज्य सरकार और म्युनिसिपल कमिश्नर क्या रुख अपनाते हैं।

दिल्ली में युवाओं पर कायरतापूर्ण लाठीचार्ज: क्या अब 'लोकतंत्र की जननी' में असहमति जताना गुनाह है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। आज दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर जो शर्मनाक और हिंसक नज़ारे हुए, उन्होंने पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर कई गंभीर और तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। जो छात्र देश का भविष्य हैं, जो शांति से अपने भविष्य के लिए और परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ आवाज़ उठा रहे हैं, उन पर दिल्ली पुलिस का बल प्रयोग इस सरकार के घमंड और प्रशासनिक नाकामी की पराकाष्ठा है। केंद्र की मोदी सरकार को इस पूरे जंतर-मंतर की घटना की पूरी नैतिक, कानूनी और राजनीतिक ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए। भारत का पवित्र संविधान हर नागरिक को शांति से अपनी बात कहने, विरोध करने और सिस्टम के खिलाफ अपनी वाजिब मांगें रखने का बुनियादी अधिकार देता है। लेकिन, जब सरकार लोगों की आवाज़ सुनने और हल निकालने के बजाय पुलिस लाठीचार्ज के दम पर उसे दबाने की कोशिश करती है, तो यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। आज दिल्ली में जो हुआ, उससे यह साबित हो गया है कि सरकार बातचीत में नहीं, बल्कि दबाने वाली नीति में विश्वास करती है। स्टूडेंट्स की बर्दाश्त करने की भी एक सीमा होती है। पिछले 20-25 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर स्टूडेंट्स, युवा और देश के जाने-माने पर्यावरणविद और विचारक सोनम वांगचुक जैसी हस्तियां भूख हड़ताल पर बैठकर अपनी वाजिब मांगों के लिए लड़ रही हैं। इतने दिन बीत जाने के बावजूद, केंद्र सरकार ने उनसे कोई मतलब की बातचीत करने या उनकी समस्याओं का हल निकालने की ज़हमत भी नहीं उठाई। जब सरकार ने बातचीत के सारे दरवाज़े बंद कर दिए, तो स्टूडेंट्स को मजबूर होकर सोती हुई सरकार को जगाने के लिए 'चलो संसद' बुलाना पड़ा। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का जवाब 'चर्चा और बातचीत' से दिया जाता है, लेकिन दुर्भाग्य से मौजूदा सरकार 'चुप रहो और मारो' की नीति से जवाब दे रही है।

करजन में 'खाकी' और 'खादी' का गठजोड़

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

करजन बना अवैध कारोबार का गढ़

99 गांवों में अवैध वसूली का साम्राज्य, हर महीने करोड़ों का काला कारोबार!

पुलिस स्टेशन से 2 किमी दूर धधक रही शराब की भट्ठियां!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन / वडोदरा। गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाने के दावे तो अक्सर सामने आते रहते हैं, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका में कानून-व्यवस्था की जो धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, वह बेहद चिंताजनक है। करजन पुलिस स्टेशन से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित करमडी गांव से लेकर क्षेत्र के करीब 9? गांवों में देशी-विदेशी शराब की भट्ठियां और वरली मटका का सट्टा खुलेआम चल रहा है। स्थानीय सूत्रों और सजग नागरिकों से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा अवैध कारोबार पुलिस तंत्र के कथित वहीवटदारों (वसूलीबाजों) और प्रभावशाली राजनीतिक आकाओं के संरक्षण में फल-फूल रहा है।

हनुभा कामडिया

भूपत रबारी

99 गांवों में करोड़ों के अवैध शराब सट्टा नेटवर्क का बड़ा खुलासा,

करजन में 'खाकी-खादी' का कथित गठजोड़! 99 गांवों में शराब, सट्टा और करोड़ों के 'हफ्ता राज' का बड़ा खुलासा; थाने से महज 2 किलोमीटर दूर धधक रहीं अवैध भट्ठियां, गांव-गांव फैला नेटवर्क, पुलिस और राजनीतिक संरक्षण के आरोपों से मचा हड़कंप, स्थानीय लोगों ने उठाए गंभीर सवाल, युवाओं के भविष्य पर मंडराया खतरा, 'जीरो टॉलरेंस' के दावों पर फिर खड़े हुए सवाल, निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग तेज।

गांव-गांव फैला अवैध कारोबार सिलसिलेवार ब्यौरा

करजन तालुका में विभिन्न स्थानों पर चल रहे अवैध धंधों का विवरण इस प्रकार है

करमडी गांव: पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित इस गांव में देशी शराब की भट्ठियां दिन-रात धधक रही हैं।

कुराली गांव (नई नगरी): पानी की टंकी के पास 'नगीन' नामक व्यक्ति खुलेआम वरली मटका का सट्टा खिलवा रहा है।

सापा गांव: नई वसाहत के पास इसी व्यक्ति द्वारा सट्टे का दूसरा अड्डा संचालित किया जा रहा है।

राणापुर और चीमकी गांव: स्थानीय राजनीतिक पहुंच रखने वाले सरपंच पार्थ शाह पर चीमकी गांव में विदेशी शराब की खेप उतरवाने और बिकवाने के गंभीर आरोप हैं।

कंडारी गांव: टावर के पास प्रदीप वसावा नामक व्यक्ति द्वारा अवैध अंग्रेजी शराब की आपूर्ति की जा रही है।

बारियावास: यहां परेश कांतिलाल नामक व्यक्ति अंग्रेजी शराब का कारोबार चला रहा है।

विवादित कर्मचारियों की वापसी और हर महीने करोड़ों का 'हफ्ता राज'

इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस महकमे के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं:

1. हनुभा कामडीया की भूमिका: अतीत में शराब के गंभीर मामले में नाम आने, जेल जाने और निलंबित होने के बावजूद हनुभा कामडीया नामक कर्मचारी का तबादला राजनीतिक प्रभाव से वापस करजन पुलिस स्टेशन में कराए जाने का आरोप है। आरोप है कि वह पुलिस स्टेशन के वसूली तंत्र को संभालता है।

2. एलसीबी एएसआई भूपत रबारी का प्रभाव: डभोई बीट में तैनात एएसआई भूपत रबारी द्वारा जिले की एलसीबी शाखा का कथित वसूली तंत्र संभालने की चर्चाएं पुलिस महकमे में जोरों पर हैं।

3. हफ्ते का गणित: तालुका के 9 गांवों से प्रति गांव 1 से 1.5 लाख रुपये की अवैध वसूली का अनुमान लगाया जाए, तो हर महीने करोड़ों रुपये एकत्र किए जाने का आरोप है।

'जीरो टॉलरेंस' के दावों पर सवाल

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा अवैध गतिविधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति की बात कही जाती है, लेकिन करजन के हालात देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि स्थानीय स्तर पर इन निर्देशों की अनदेखी की जा रही है। युवा वर्ग इस अवैध दलदल में फंसकर प्रभावित हो रहा है और आम जनता लाचार महसूस कर रही है।

महानगर मेट्रो के सीधे सवाल प्रशासन दे जवाब

शराब के मामले में जेल जा चुके कर्मचारी को दोबारा किस आधार पर करजन पुलिस स्टेशन में नियुक्त किया गया? थाने से महज 2 किमी दूर चल रही शराब की भट्ठियां उच्च अधिकारियों की नजर से दूर कैसे हैं? क्या पुलिस विभाग इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करेगा? अवैध गतिविधियों के कारण क्षेत्र में कोई अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी जवाबदेही किसकी होगी? क्षेत्र के युवाओं के भविष्य और सामाजिक सुरक्षा के हित में इस अवैध नेटवर्क पर तत्काल प्रभाव से नकेल कसना अत्यंत आवश्यक है।

स्टूडेंट्स पर बेरहमी से लाठीचार्ज कौन कर रहा है? नकली राष्ट्रवादियों का भेड़िये जैसा नरभक्षी चेहरा सामने आया

एजुकेशन आंदोलन ने करप्ट सिस्टम को एक्सपोज़ किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/अहमदाबाद। स्टूडेंट्स के अधिकारों और एजुकेशन सेक्टर में करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने वाले अनजान युवाओं पर हाल ही में हुए हिंसक और बेरहम लाठीचार्ज को लेकर पूरे राज्य में गुस्से का तूफान उठ खड़ा हुआ है। सोशल मीडिया और मीडिया में वायरल हुई तस्वीरों ने सिक्योरिटी फोर्स और कथित संगठनों की भूमिका पर गंभीर और सनसनीखेज सवाल खड़े कर दिए हैं।

हेयरस्टाइल, फैंसी कपड़े और जूते: किस एंगल से ये लोग पुलिस या आर्मी जैसे दिखते हैं?

वायरल तस्वीरों और वीडियो फुटेज में स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज करते लोगों को देखकर कई शक पैदा हुए हैं। इन लोगों के अजीब हेयरस्टाइल, महंगे-फैंसी कपड़े और स्पोर्ट्स शूज़ साफ दिखाते हैं कि वे किसी भी एंगल से आर्मी के जवान या डिसिप्लिन्ड पुलिस वाले नहीं दिखते।

सवाल उठता है कि बिना खाकी यूनिफॉर्म वाले ये गुंडे कौन थे? कोई भी नॉर्मल और दिमागी तौर पर ठीक नौजवान शांति से प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स पर इतनी बेरहमी से लाठीचार्ज नहीं कर सकता था। ऐसा अमानवीय काम सिर्फ़ दो तरह के लोग ही कर सकते हैं:

1. या तो बहुत ज़्यादा ट्रेंड शूटर/गुंडे।

2. या तो अंधविश्वास, नशे और ब्रेनवॉशिंग में अंधे कट्टरपंथी।

अब यह जनता से कोई राज़ नहीं है कि किस फैक्ट्री में या किस ऑर्गनाइज़ेशन के बेस पर इस तरह की ट्रेनिंग, नशा और ब्रेनवॉशिंग, यानी 'थ्री-इन-वन' सर्विस दी जाती है!

कथित राष्ट्रवादी ऑर्गनाइज़ेशन का चेहरा बेनकाब हो गया है

एजुकेशन सेक्टर में फैले करप्शन और पेपर लीक के खिलाफ इस मूवमेंट से सिस्टम में किसी सुधार की उम्मीद करना बेकार है। लेकिन इस मूवमेंट की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक कामयाबी यह रही है कि इसने एक कथित ऑर्गनाइज़ेशन का असली चेहरा जनता के सामने ला दिया है जो राष्ट्रवाद का नकली मुखौटा पहनकर घूम रहा है।

देशभक्ति के दिखावे के पीछे छिपे भेड़िये का आदमखोर चेहरा आज पूरे राज्य के सामने आ गया है। अपने ही देश के भविष्य स्टूडेंट्स का खून बहाने वाले इन नकली देशभक्तों की असलियत अब सबके सामने आ रही है।

यह तो बस शुरुआत है: हर पीड़ित को हिसाब देना होगा

स्टूडेंट मूवमेंट पर बल प्रयोग करके उनकी आवाज़ दबाने का दावा करने वालों के लिए यह तो बस शुरुआत है। भेड़ियों की खाल में शिकार करने वाले इस गैंग ने अभी तक हर जुल्म और शिकार कबूल नहीं किया है। गुजरात के जागरूक युवा और माता-पिता अब इस बर्बरता और अनाड़ी मैनेजमेंट को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। इस बात के पूरे संकेत हैं कि आने वाले दिनों में इस विरोध का भंवर और भी गहरा होगा।

सेवलिया पुलिस का बड़ा धमाका: भावनगर के 'सिक्खो कटिया' के ऑर्डर पर मंगाए गए खतरनाक हथियारों की बड़ी मात्रा जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सेवलिया। सेवलिया पुलिस ने गुजरात में गैर-कानूनी हथियारों की घुसपैठ और असामाजिक तत्वों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। सेवलिया पुलिस ने समय पर कार्रवाई करते हुए भावनगर के कुख्यात सिकंदर उर्फ 'सिक्खो कटिया' के लिए खास ऑर्डर पर मंगाए गए खतरनाक हथियारों की एक बहुत बड़ी मात्रा जब्त की है। पुलिस ने एक इंटर-स्टेट हथियार तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है और तीन आदतन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

UP से गुजरात तक हथियारों की तस्करी का नेटवर्क: 5 हथियार और 40 कारतूस जब्त

मिली जानकारी के मुताबिक, सेवलिया पुलिस टीम को खास जानकारी मिली थी कि दूसरे राज्यों से गैर-कानूनी तरीके से गुजरात में बड़ी मात्रा में खतरनाक हथियारों की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने निगरानी रखी और संदिग्ध तरीके से घूम रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जब पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की तलाशी ली तो वे भी हैरान रह गए। उनके पास से ये खतरनाक गोलियां और हथियार मिले 4 देसी पिस्तौल, 1 रिवॉल्वर, 2 और मैगज़ीन, 40 ज़िंदा कारतूस,

तीन आरोपी गिरफ्तार: गैंगस्टरों में खलबली सेवलिया पुलिस ने मौके से तीन साथियों को इतनी बड़ी मात्रा में हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है और कानूनी कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम इस तरह हैं:

1. शशांकसिंह राजपूत (निवासी उत्तर प्रदेश) - हथियारों का मुख्य सप्लायर/कैरियर

2. आशीष पटडिया (निवासी जूनागढ़)

शुरुआती पूछताछ में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि ये सभी खतरनाक हथियार भावनगर के कुख्यात गैंगस्टर सिकंदर उर्फ 'सिक्खो कटिया' के कहने पर और सिर्फ उसके लिए गुजरात लाए गए थे। क्या कोई बड़ी वारदात करने का प्लान था पुलिस पूरी जांच कर रही है सेवलिया पुलिस ने इतनी बड़ी मात्रा में हथियारों को भावनगर के सिक्खो कटिया पहुंचने से पहले ही नाकाम कर दिया। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में पिस्तौल, रिवॉल्वर और ज़िंदा कारतूस ऑर्डर करने के पीछे मुख्य मकसद क्या था? क्या सौराष्ट्र या गुजरात में कोई बड़ा गैंगवॉर या कोई बड़ी आपराधिक साज़िश की जानी थी? पुलिस ने उस दिशा में जांच शुरू कर दी है। सेवलिया पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और उन्हें रिमांड पर लेने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा, हथियारों का ऑर्डर देने वाले मास्टरमाइंड सिकंदर उर्फ सिक्को कटिया को पकड़ने के लिए भी अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं।

वडोदरा के गोरवा इलाके में रिक्शा में बैठी महिलाओं ने 1 लाख रुपये की सोने की चेन चुराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गोरवा इलाके में दूसरों को नज़रअंदाज़ करते हुए महिलाओं द्वारा चोरी करने का मामला सामने आया है। यात्रा के दौरान, ऑटोरिक्शा में बैठी दो अनजान महिलाओं ने एक महिला यात्री के पर्स से 1 लाख रुपये की 20 ग्राम सोने की चेन छीन ली, और गोरवा पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज की गई है।मिली जानकारी के अनुसार, गोरवा इलाके के तुलसी कॉम्प्लेक्स की रहने वाली हंसाबेन किशोरभाई शर्मा और उनकी बहन गीताबेन मुकुता गांव में एक बेसना में गई थीं। लौटते समय हंसाबेन ने मुकुता बस स्टैंड के पास अपनी 20 ग्राम सोने की चेन और कैश अपने पर्स में रख लिया और पर्स को अपने बड़े बैग में सुरक्षित रख लिया। फिर कल शाम, वे वडोदरा सेंट्रल बस स्टैंड से गोरवा जाने के लिए एक ऑटोरिक्शा में सवार हुईं। इस रिक्शा में उनके साथ दो और अनजान महिलाएं भी सवार थीं। जब रिक्शा गोरवा सब्जी मंडी पहुंचा, तो हंसाबेन और उनकी बहन उतर गईं। उतरने के बाद हंसाबेन को शक हुआ और उन्होंने अपना बैग चेक किया तो पाया कि उसमें रखा पर्स गायब था और उसमें रखी 1 लाख रुपये की सोने की चेन चोरी हो गई थी। हंसाबेन ने आरोप लगाया है कि रिक्शा में उनके साथ बैठी दो अनजान महिलाओं ने बैग से उनका पर्स निकाला और सोने की चेन चुरा ली। इस मामले में हंसाबेन की शिकायत के आधार पर गोरवा पुलिस ने गैर-कानूनी तरीके से संपत्ति बनाने का मामला दर्ज किया है और महिला चोरों की तलाश कर रही है।

S.P. रिंग रोड पर राजस्थान पासिंग के डाला से 25.11 लाख रुपये की विदेशी शराब जब्त

35.15 लाख रुपये का कीमती सामान जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर चलाए जा रहे खास अभियान के तहत, PCB (क्राइम ब्रांच की रोकथाम) टीम ने बड़ी मात्रा में कीमती सामान जब्त करके शराब माफिया के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। शहर के नारोल इलाके से गुजर रहे राजस्थान पासिंग के एक बंद बॉडी डाला (पिकअप गाड़ी) को रोककर पुलिस ने 25.11 लाख रुपये की बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर जब्त की है। घटना की पूरी जानकारी के मुताबिक, PCB टीम मुखबिरों का नेटवर्क एक्टिवेट करके और नारोल थाना इलाके में रात में पेट्रोलिंग करके जांच कर रही थी। इस बीच, पीसीबी अधिकारियों को सटीक और विशिष्ट जानकारी मिली कि राजस्थान से एक बंद बॉडी वाहन (वाहन) बड़ी मात्रा में विदेशी शराब के साथ अहमदाबाद शहर की ओर आ रहा है और एस.पी. रिंग रोड से गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही पीसीबी टीम ने तुरंत कामोद चौराहे से आगे एस.पी. रिंग रोड पर रामदेव होटल और आईमाता होटल के बीच सड़क पर एक रणनीतिक व्यवस्था (निगरानी) की। इस बीच, सूचना के अनुसार जैसे ही राजस्थान पासिंग का संदिग्ध बंद बॉडी वाहन वहां से गुजरा, पुलिस ने उसे चारों तरफ से घेर लिया और रोक लिया। पुलिस टीम ने जब वाहन का पिछला हिस्सा खोलकर जांच की, तो अंदर गुप्त रूप से संग्रहीत भारत में निर्मित विदेशी शराब और ब्रांडेड बीयर टिन की एक बड़ी खेप मिली। पुलिस ने वाहन से कुल 141 पेटी निकाली, जिनमें से विभिन्न ब्रांडों की कुल 2,411 शराब की बोतलें और बीयर टिन मिलीं। मौके से तस्करी में इस्तेमाल 10,00,000/- रुपये, कुल 35,15,552/- रुपये बरामद किए गए। इस मामले में, PCB ने शराबबंदी कानून के तहत केस दर्ज किया है ताकि पता लगाया जा सके कि राजस्थान से इतनी बड़ी मात्रा में शराब किसने भेजी, अहमदाबाद में यह शराब किसे पहुंचानी थी और गाड़ी का ड्राइवर या इसमें शामिल दूसरे लोग कौन हैं। PCB ने अलग-अलग टीमें बनाकर शराब सप्लाई करने और ऑर्डर करने वाले सभी वॉन्टेड आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त न्यूज

Jio रिचार्ज बढ़ोतरी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सोशल मीडिया पर वायरल दावे में तमिलनाडु में Jio के महंगे रिचार्ज प्लान के विरोध की बात कही जा रही है, जिससे देशभर के ग्राहकों में चर्चा तेज हो गई है। बढ़ती रिचार्ज कीमतों का असर छात्रों, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग के मासिक बजट पर पड़ने की बात सामने आ रही है। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी वायरल जानकारी पर विश्वास करने से पहले आधिकारिक स्रोतों से जानकारी जरूर जांच लें।

गांधीनगर में तेज रफ्तार कार का कहर, एक साल के मासूम की इलाज के दौरान मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सेक्टर-26 पॉलिटेक्निक कैंपस में तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक वर्षीय मासूम लव्यांश गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे पहले गांधीनगर और फिर अहमदाबाद के अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। सेक्टर-21 पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्रों के मूल दस्तावेज लौटाने की मांग, ABVP का एस.के. पटेल कॉलेज के खिलाफ प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। एबीवीपी ने एस.के. पटेल कॉलेज पर छात्रों के मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र रोकने का आरोप लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन ने यूजीसी के नियमों का हवाला देते हुए सभी दस्तावेज तत्काल लौटाने की मांग की। चेतावनी दी गई कि मांग पूरी नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस भी कॉलेज परिसर पहुंची।

गुजरात में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 28 IAS और 13 GAS अधिकारियों के तबादले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 28 ढ्ढस्-और 13 GAS अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। जूनागढ़ नगर निगम आयुक्त प्रभव जोशी का दो महीने में ही तबादला कर GIDC में संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाया गया है। साथ ही पांच जिलों में नए जिला विकास अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। सरकार ने इन बदलावों को प्रशासन को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में अहम कदम बताया है।

अहमदाबाद में 39.57 करोड़ के अवैध पटाखे जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। चांगोदर पुलिस ने मटोडा क्षेत्र के दो गोदामों पर छापा मारकर 39.57 करोड़ रुपये के अवैध पटाखों का बड़ा जखीरा जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान 65,954 कार्टन पटाखे बरामद हुए और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि गोदाम बिना आवश्यक लाइसेंस और फायर एनओसी के संचालित हो रहे थे तथा सुरक्षा इंतजाम भी बेहद अपर्याप्त थे। पुलिस ने गोदामों को सील कर मामले की जांच शुरू कर दी है और अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। हाल ही में रामोल पटाखा फैक्ट्री विस्फोट के बाद इस कार्रवाई को अहम माना जा रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा हमला बोला

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन पर खाकी तुरंत इस्तीफे की मांग की!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश की राजधानी दिल्ली की धरती पर छात्रों और युवाओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए क्रूर लाठीचार्ज के बाद देश की सियासत चरम पर पहुंच गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में हुए 'संसद मार्च' के दौरान प्रदर्शन कर रहे बेगुनाह युवाओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज को लेकर सरकार के खिलाफ सीधा मोर्चा खोला है। देश का भविष्य छात्रों पर हुए इस अत्याचार को मुद्दा बनाते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की है।

'इस तरह लोगों को मारना भारतीयता नहीं है': राहुल गांधी का कड़ा हमला

छात्रों पर हुए क्रूर लाठीचार्ज और हिरासत के बाद संसद भवन से लेकर सड़कों तक विरोध प्रदर्शनों का बवंडर खड़ा हो गया है। मीडिया के सामने आकर उन पर कड़ा हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने साफ शब्दों में कहा 'यह इस देश के करोड़ों स्टूडेंट्स की समस्याओं का सवाल है। यह हमारे देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बात है। अपने हक और भविष्य के लिए आवाज उठाने वाले युवाओं पर इस तरह से बल प्रयोग करना और लोगों को बेरहमी से मारना कभी भी भारतीयता या भारतीय संस्कृति नहीं है! ' राहुल गांधी ने इस चौंकाने वाली स्थिति के लिए सीधे तौर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि जो सरकार अपने युवाओं की आवाज सुनने के बजाय उन पर लाठीचार्ज करती है, उसे सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

पेपर लीक और युवाओं के गुस्से से दिल्ली गरमाई

गौरतलब है कि देश भर में फैले पेपर लीक कांड, शिक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार और युवाओं के भविष्य के साथ हो रही गड़बड़ी के खिलाफ छात्र संगठनों ने दिल्ली में संसद की ओर एक बड़े विरोध प्रदर्शन और मार्च की योजना बनाई थी। हालांकि, सुरक्षा के नाम पर पुलिस सिस्टम ने आंदोलनकारी युवाओं पर सख्त

रुख अपनाया और उन पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया और कई छात्रों को हिरासत में ले लिया। पॉलिटिकल लड़ाई तेज़ हुईः दिल्ली से गुजरात तक गरमी

दिल्ली की घटना की गूंज अब गुजरात समेत पूरे देश में गहरी होती जा रही है। एक तरफ, विपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री के खिलाफ़ आक्रामक हो गए हैं, तो दूसरी तरफ़, युवा मोर्चों ने भी पूरे देश से लड़ाई के लिए हरी झंडी दे दी है। पुलिस की इस बर्बरता और सिस्टम के अत्याचारों के खिलाफ़ खुद विपक्षी नेता के इस्तीफ़े की मांग करने से केंद्र सरकार बैकफुट पर जाने की स्थिति में है। 'पक्को गुजरात' आपको इस विरोध प्रदर्शन के तूफ़ान पर लेटेस्ट अपडेट देगा!

राधनपुर मिल्क मंडली स्कैमः गरीब पशुपालकों की मेहनत की कमाई के करोड़ों रुपये हड़पने वाले आरोपी जहा रबारी पर पुलिस के क्या चार हाथ हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूर

राधनपुर। उत्तर गुजरात के राधनपुर पंथक से एक बहुत ही चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्थानीय मिल्क मंडली में पशुपालकों के हक के करोड़ों रुपये हड़पकर भाग जाने वाले मुख्य मास्टरमाइंड जहा रबारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से पूरे इलाके में विरोध की भारी लहर उठ खड़ी हुई है। दिन-रात मेहनत करके दूध इकट्ठा करने वाले गरीब पशुपालक अपने जमा किए हुए पैसे वापस पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोग आरोपी पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं कि ऐसा लगता है कि खाकी वर्दी में उसके 'चार हाथ' हैं। गरीब पशुपालकों की करोड़ों की मेहनत की कमाई बोझ बन गई है मिली जानकारी के मुताबिक, जहा रबारी नाम के एक आदमी ने मिल्क सोसाइटी में बड़ा फाइनेंशियल स्कैम किया है, जहां राधनपुर के आस-पास के ग्रामीण इलाकों के सैकड़ों गरीब और मिडिल क्लास पशुपालक रोज़ाना दूध सप्लाई करते थे। दूध के अकाउंट और बोनस के नाम पर पशुपालकों के लाखों-करोड़ों रुपये अपने पास रखकर इस आदमी ने पूरी सोसाइटी को बोझ बना दिया है। पशुपालकों और पशुपालकों के लिए यह रकम सिर्फ पैसा नहीं थी, बल्कि उनके परिवार की रोजी-रोटी, बच्चों की पढ़ाई और पशुओं के रखरखाव का आधार थी। अचानक हुई इस घटना ने कई परिवारों को सड़कों पर ला दिया है और पशुपालकों में बहुत गुस्सा है।पुलिस की कार्रवाई पर सवालिया निशानः आरोपी खाखिनी के रहमोकरम पर मौज कर रहा है? इतना बड़ा स्कैम करने और कई परिवारों की रोजी-रोटी छीनने के बावजूद, पीड़ित पशुपालकों का आरोप है कि राधनपुर पुलिस आरोपी जहा रबारी के खिलाफ सही या कार्रवाई नहीं कर रही है। गांव वाले और पीड़ित खुलकर सवाल उठा रहे हैं इतना बड़ा रैकेट चलाने वाला आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर क्यों है?पीड़ितों का कहना है कि बार-बार कहने और शिकायत करने के बाद भी पुलिस सिर्फ खोखले आश्वासन दे रही है, जिससे स्थानीय लोगों में पुलिस की संदिग्ध भूमिका के खिलाफ काफी गुस्सा है। गरीब पशुपालकों का गुस्सा अब हद पार कर रहा है। स्थानीय पशुपालक समुदाय और पशुपालकों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर पुलिस ने जहा रबारी को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया और पशुपालकों का पैसा वापस नहीं किया, तो आने वाले दिनों में वे राधनपुर हाईवे जाम कर उग्र प्रदर्शन करेंगे। अब देखना यह है कि की इस रिपोर्ट के बाद सोया हुआ सिस्टम जागता है

सूरत में युवाओं और स्टूडेंट्स का प्रोटेस्टः एजुकेशन मिनिस्टर के इस्तीफे और सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के युवाओं और स्टूडेंट्स ने हीरानगरी सूरत में स्टूडेंट्स के हितों के मुद्दों, बार-बार हो रही पेपर लीक की घटनाओं और दिल्ली में भूख हड़ताल पर बैठे स्टूडेंट्स के सपोर्ट में प्रोटेस्ट किया था। स्टूडेंट्स ने एजुकेशन मिनिस्टर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए जोरदार आवाज उठाई। हालांकि, प्रोटेस्ट और तेज होता, इससे पहले ही पुलिस ने बड़ी संख्या में युवाओं और स्टूडेंट्स को हिरासत में ले लिया। आम आदमी पार्टी के नेता पहुंचेः हिरासत में लिए गए युवाओं का सपोर्ट किया

जैसे ही स्टूडेंट्स और युवाओं की गिरफ्तारी की खबर जंगल में आग की तरह फैली, आम आदमी पार्टी के लोकल लीडर्स और वर्कर्स तुरंत संबंधित पुलिस स्टेशन पहुंच गए। AAP लीडर्स पुलिस स्टेशन पर मौजूद थे और उन्होंने सभी प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट्स के जोश और हिम्मत की तारीफ की और उन्हें अपना पूरा सपोर्ट दिया।

नेताओं ने पुलिस से बात करके और लीगल एक्शन लेकर हिरासत में लिए गए सभी युवाओं को जल्द से जल्द रिहा करने की कोशिश की। पुलिस एक्शन के खिलाफ युवाओं में गुस्साःवीडियो और बयान वायरल प्रोटेस्ट के दौरान पुलिस ने जिस तरह एक्शन लिया और स्टूडेंट्स को सड़क से उठाकर गाड़ियों में भर दिया, उससे मौके पर भारी अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद युवाओं और स्टूडेंट्स के कुछ वीडियो और बयान सामने आए हैं, जिसमें वे पुलिस द्वारा उनके साथ किए गए सख्त बर्ताव की कहानियां बता रहे हैं।

स्टूडेंट्स का आरोप है कि जब वे शांति से अपनी जायज मांगों और देश के एजुकेशन सिस्टम में फैले करप्शन के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, तो पुलिस ने बल प्रयोग करके उनके डेमोक्रेटिक अधिकारों को दबाने की कोशिश की है।

एजुकेशन सेक्टर के मुद्दे और सोनम वांगचुक का मुद्दा पूरे राज्य में गरमाया

पेपर लीक मामले में एजुकेशन मिनिस्टर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और लद्दाख के एनवायरनमेंटलिस्ट सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग अब सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित न रहकर गुजरात के कोने-कोने तक पहुंच गई है। सूरत के युवाओं के इस प्रोटेस्ट ने राज्य की पॉलिटिक्स और एजुकेशन जगत में काफी गर्मी पैदा कर दी है। हिरासत में लिए गए युवाओं को रिहा करने की लीगल प्रोसेस अभी चल रही है, लेकिन स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन और यूथ फ्रंट ने आने वाले दिनों में अपनी आवाज और भी तेज करने की चेतावनी दी है।

आदिवासी इलाकों के स्टूडेंट्स के लिए विकास की नई सुबह, 33.84 करोड़ रुपये की लागत से 139 नई ST बसें रवाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार ने राज्य के आदिवासी इलाकों के युवाओं और स्टूडेंट्स का भविष्य शिक्षा के क्षेत्र में उज्ज्वल बनाने के लिए एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम उठाया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने गांधीनगर से 'भगवान बिरसा मुंडा ट्राइबल प्राइड ट्रांसपोर्ट सर्विस' का बड़े धूमधाम से शुभारंभ किया। इस खास मौके पर उपमुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी, कैबिनेट के सदस्य और अन्य वरिष्ठ गणमान्य लोग विशेष रूप से मौजूद थे। आदिवासी विकास विभाग और गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के संयुक्त उपक्रम के रूप में 33.84 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 139 नई स्ञ्ज बसों को धार्मिक अनुष्ठान और पूजा के बाद हरी झंडी दिखाई गई। आदिवासी और पहाड़ी इलाकों के दूर-दराज और दुर्गम गांवों में रहने वाले स्टूडेंट्स को पहले स्कूल और कॉलेज पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना

करना पड़ता था। लेकिन इस नई आसान बस सर्विस के शुरू होने से, स्टूडेंट्स को अब समय पर, आसान और बहुत सुरक्षित ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा उनके घर पर ही मिलेगी। सरकार के इस बड़े फैसले से खासकर ग्रामीण इलाकों की लड़कियों की शिक्षा को बहुत बढ़ावा मिलेगा और हायर एजुकेशन के लिए एक नया इंसेंटिव मिलेगा। दूर-दराज के इलाकों को शिक्षा की मेनस्ट्रीम से जोड़ने वाली यह सर्विस, आदिवासी समुदाय के हर तरह के विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

ऋग्वेद हॉस्पिटल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग का भव्य शुभारंभ
मेलडी मां धाम सादड़ी के भुआजी ने मरीजों के हित में भेंट की एम्बुलेंस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामसीन (मुकेश सोलंकी) । स्थानीय कस्बे के भीनमाल रोड स्थित ऋग्वेद हॉस्पिटल में सोमवार का दिन आरोग्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर साबित हुआ। अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग (गायनोकोलॉजी) विभाग का भव्य शुभारंभ किया गया, साथ ही राजा बॉण मेलडी मां धाम सादड़ी के गादीपति भुआजी राजुभाई चौधरी ने समाजसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए अस्पताल को एक नई एम्बुलेंस भेंट की। समारोह के दौरान अस्पताल प्रबंधन और स्थानीय ग्रामीणों ने मेलडी मां धाम के भुआजी राजुभाई चौधरी का गर्मजोशी से स्वागत किया। समाज हित में दिए गए इस अमूल्य योगदान के लिए उपस्थित गणमान्य लोगों ने भुआजी का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें साफा पहनाकर और भव्य माल्यार्पण कर सम्मानित किया। फीता काटकर नए विभाग का उद्घाटन अस्पताल परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भुआजी राजुभाई चौधरी के कर कमलों द्वारा फीता काटकर नए स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग का आधिकारिक उद्घाटन किया गया। अब क्षेत्र की महिलाओं को प्रसूति और स्त्री रोगों से जुड़ी बेहतर

स्वास्थ्य सुविधाएं अपने ही कस्बे में मिल सकेंगी। अस्पताल के निदेशक डॉ. रजत ठाकुर ने बताया कि लंबे समय से एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध न होने के कारण गंभीर मरीजों और प्रसूताओं को उच्च केंद्रों तक पहुँचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। भुआजी द्वारा एम्बुलेंस भेंट किए जाने से अब आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित और सुलभ परिवहन सुविधा मिल सकेगी। इस समारोह में चिकित्सा जगत से जुड़े विशेषज्ञों के साथ-साथ क्षेत्र के कई प्रमुख नागरिक मौजूद रहे । चिकित्सक एवं अस्पताल स्टाफ में डॉ. रजत ठाकुर, डॉ. नरगिस बेन गोहिल, डॉ. यशपाल प्रजापत, श्रवण कुमार, उत्तम कुमार, राजकमल और भरत भाई एवं गणमान्य नागरिक में श्यामसुंदर अग्रवाल, नरेंद्र सिंह, छगनलाल, हंसराज राजपुरोहित, गोपाल भाई, महेंद्र टेलर, महेश गर्ग और राजेश कुमार सहित कई प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

वडोदरा के फतेहगंज में चाय पर चर्चा के बीच खूनी खेलः पुरानी रंजिश में एक युवक और उसके दोस्तों पर जानलेवा हथियारों से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक नगरी वडोदरा के फतेहगंज के हलचल भरे और पॉश इलाके में शुक्रवार देर रात असामाजिक तत्वों ने कानून का डर ताक पर रखकर खुलेआम गुंडागर्दी की। फतेहगंज रोड पर मशहूर होटल मिड टाउन के सामने एक चाय के ट्रक पर हुई इस घटना से पूरे शहर में भारी सनसनी फैल गई है। पुरानी रंजिश को ध्यान में रखते हुए घातक हथियारों से लैस गैंग ने चाय पी रहे युवकों पर अचानक हमला कर दिया और खूनी मंजर खड़ा कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा के तंडलजा रोड पर समीम पार्क का रहने वाला आमिर अनीश खान पिछले शुक्रवार देर रात फतेहगंज इलाके में होटल मिड टाउन के सामने चाय के ट्रक पर अपने करीबी दोस्तों के साथ चाय पीने आया था। दोस्त चाय पीते हुए शांति से बातें कर रहे थे, तभी शाहबाज नूर मोहम्मद उर्फ ??मैकू अपने 4 साथियों के साथ, हथियारों के साथ, पहले से तय साज़िश के तहत वहाँ घुस आया। पुरानी दुश्मनी की कड़वाहट को ध्यान में रखते हुए, शाहबाज उर्फ ??मैकू और उसके गैंग ने बिना कुछ सोचे-समझे आमिर खान और उसके दोस्तों पर धारदार और जानलेवा हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों के अचानक और ज़ोरदार हमले से चाय की गाड़ी पर मौजूद दूसरे ग्राहकों और आस-पास के लोगों में भारी भगदड़ और अफ़रा-तफ़री मच गई। घातक हथियारों से हुए इस हमले में आमिर खान और उसके साथी लहूलुहान हालत में ज़मीन पर गिर पड़े। हमलावरों ने अपनी गंभीर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके पर डर का माहौल बना दिया और अंधेरे का फ़ायदा उठाकर तुरंत भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही सयाजीगंज थाने की एक बड़ी टीम मौके पर पहुँची। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खून से लथपथ आमिर और उसके दोस्तों को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। कुछ ही घंटों में सभी पांच आरोपी गिरफ्तारअस्पताल में इलाज करा रहे आमिर अनीश खान की शिकायत के आधार पर सयाजीगंज पुलिस ने शाहबाज उर्फ मैकू और उसके साथियों के खिलाफ दंगा और जानलेवा हमले का मामला दर्ज किया और जांच के लिए अलग-अलग टीमें बनाईं। टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके पुलिस ने हमले के मास्टरमाइंड शाहबाज समेत सभी पांच हमलावरों को कुछ ही घंटों में पकड़ लिया। पुलिस ने घटनास्थल पर किया रीकंस्ट्रक्शनः स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई अपराध की गंभीरता को देखते हुए, सयाजीगंज पुलिस ने होटल मिड टाउन के सामने घटनास्थल पर रीकंस्ट्रक्शन किया, जिसमें सभी पांच आरोपियों को एक साथ रखकर पूरे घटनाक्रम की सही तस्वीर साफ की गई। जब पुलिस भारी सुरक्षा के बीच आरोपियों को घटनास्थल पर लाई और उन्हें कानून के बारे में बताया, तो आसपास के निवासियों और व्यापारियों की भारी भीड़ जमा हो गई।

वडोदरा प्रशासन की बड़ी लापरवाही की वजह से गंभीर आपदा आती रहती है

हानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। आज एक मासूम परिवार पर बड़ी मुसीबत आ गई। शहर में रामदेव पीर की चाल के पास एक घर की दीवार अचानक ज़ोरदार धमाके के साथ गिर गई, जिससे पूरे इलाके में भारी दहशत और डर का माहौल बन गया। दीवार धमाके जैसी तेज़ आवाज़ के साथ गिरी और इलाके के लोग अपनी जान बचाने के लिए घर से बाहर भागे। अच्छी बात यह रही कि इस घटना के समय परिवार के लोग घर के दूसरे सुरक्षित हिस्से में मौजूद थे, जिसकी वजह से एक बड़ी जान का नुकसान टल गया और पूरा परिवार बच गया। लेकिन इस आपदा में घर की दीवार पूरी तरह से गिर गई, जिससे घर को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। घटना की जानकारी के मुताबिक, वडोदरा नगर निगम की तरफ से इलाके में पब्लिक टॉयलेट कंटेनर लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान क्रेन या JCB के लापरवाही से चलाने की वजह से भारी कंटेनर बिल्डिंग की दीवार से ज़ोर से टकरा गया। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि बिल्डिंग की मजबूत दीवार पल भर में ताश के पत्तों की तरह ढह गई। घटना होते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल गरमा गया। लोगों ने नगर पालिका के लचर मैनेजमेंट और ठेकेदार की बड़ी लापरवाही के खिलाफ काफी गुस्सा जताया।

ऊना में चांदीपुरा वायरसः संदिग्ध लक्षणों के बाद 5 साल के मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ऊना. इलाके से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली और चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां, संदिग्ध चांदीपुरा वायरस के जानलेवा लक्षण दिखने के बाद इलाज के दौरान एक 5 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और माता-पिता में भारी हंगामा हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक, मासूम बच्चे के पेट में अचानक बहुत ज़्यादा दर्द हुआ। उसके बाद उसे दो दिन तक लगातार तेज़ बुखार रहा। बच्चे की तबीयत और बिगड़ने पर उसे लगातार उल्टियां होने लगीं और जल्द ही वह बेहोश हो गया। हालत गंभीर लगने पर परिवार वाले उसे तुरंत आगे के इलाज के लिए भावनगर के मशहूर सर टी. हॉस्पिटल ले गए। भावनगर सर टी. हॉस्पिटल में बच्चे की हालत बहुत ज़्यादा नाज़ुक होने के कारण उसे तुरंत वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। डॉक्टरों की बहुत कोशिशों के बावजूद, मासूम बच्चे ने इलाज के दौरान ही दम तोड़ दिया। बच्चे की दुखद मौत से परिवार में कोहराम मच गया है और परिवार वालों की चीख-पुकार से अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया है।

अहमदाबाद में तेंदुए का डर जारीः घुमा के बाद अब झुंडाल-चांदखेड़ा में दिखा तेंदुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आस-पास के इलाकों में जंगली तेंदुओं की मौजूदगी से लोगों में डर और दहशत का माहौल लगातार बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले घुमा इलाके में तेंदुए के मूवमेंट की खबर के बाद अब चौंकाने वाले दावे सामने आए हैं कि सरदार पटेल रिंग रोड (SP रिंग रोड) पर झुंडाल और

चांदखेड़ा पंथकों में भी तेंदुए देखे गए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, S.P. रिंग रोड के पास एक कैफे के मालिक ने देर रात इलाके में तेंदुए जैसे हिंसक जानवर को देखने का दावा किया है। इसके अलावा, पूरे चांदखेड़ा-जुंडल इलाके में डर का माहौल है क्योंकि झुंडाल और वैष्णोदेवी ब्रिज से गुजरने वाले स्थानीय लोगों और गाड़ी चलाने वालों ने भी देर रात तेंदुआ देखने की बात कही है। रात में अचानक तेंदुए जैसे जंगली जानवर के आने की खबर फैलते ही आस-पास की सोसाइटियों में रहने वाले लोगों और देर रात घूमने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता हो गई है। स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और निशान वाले इलाकों में गहन जांच और तलाशी अभियान चलाया गया है। वन विभाग ने CCTV कैमरे की फुटेज चेक करना शुरू कर दिया है और तेंदुए के पैरों के निशान ढूंढने की कोशिश शुरू कर दी है ताकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि हो सके। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे रात में बेवजह बाहर न निकलें, बच्चों और पालतू जानवरों का खास ध्यान रखें और कोई भी संदिग्ध हरकत दिखने पर तुरंत अधिकारियों को बताएं।

दैनिक राशिफल

22 जुलाई 2026, बुधवार

मेष – कार्य क्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला – निवेश के लिए दिन अनुकूल हैं। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। मानसिक शांति बनी रहेगी।

वृषभ – रुके हुए कार्य पूरे होने के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृश्चिक – किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। वाहन सावधानी से चलाएं।

मिथुन – नौकरी और व्यापार में लाभ के संकेत हैं। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभदायक साबित होगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।

धनु – नए अवसर आपके सामने आएंगे। व्यापार में लाभ और नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। लंबी यात्रा की योजना बन सकती हैं।

कर्क – मन प्रसन्न रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलने के संकेत हैं। खान-पान का ध्यान रखें।

मकर – आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

सिंह – कार्य क्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ – मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन शुभ हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

कन्या – पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। व्यापार में नई योजनाएं लाभ देंगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन – धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मन शांत रहेगा। करियर में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

भगवान पर विश्वास रखें, मेहनत करते रहें, सफलता निश्चित आपके कदम चूमेगी।

शुभ रंग: हल्का पीला | शुभ अंक: 7
शुभ समय: प्रात: 8:00 से 10:00 बजे तक

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

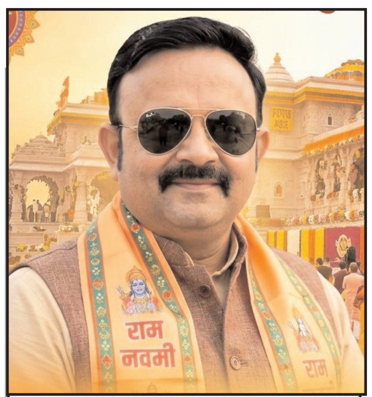

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है।

तिरंगे की शान, भारत की पहचान...

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मयार्दा और अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा।

राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम्‌ लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे। 'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मद्देनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में ह्ययूनियन जैकह्न का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है। तब एक ऐसे ध्वज की आवश्यकता महसूस की गई, जो प्रत्येक धर्म, सम्प्रदाय और विचारधाराओं के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के साथ देशवासियों के लिए जीवन-मरण का प्रतीक भी बन सके। 1921 में विजयवाड़ा में कांग्रेस के अधिवेशन में आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया नामक क्रांतिकारी युवक ने महात्मा गांधी को एक ऐसा ध्वज भेंट किया, जिसमें लाल व हरे रंग की केवल दो पट्टियां थी लेकिन पंजाब के एक बुजुर्ग नेता रायजादा पंडित हंसराज ने गांधी जी को सुझाव दिया कि इस ध्वज में चरखे को भी अंकित किया जाए और तब गांधी जी ने यह सुझाव स्वीकारते हुए हिन्दुओं के लिए केसरिया रंग, मुस्लिमों के लिए हरा रंग तथा अन्य सम्प्रदायों के लिए ध्वज में सफेद रंग को भी शामिल किया। 31 दिसम्बर 1929 को रावी नदी के तट पर इसी तिरंगे को फहराते हुए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। हालांकि बहुत से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज को जातियों व धर्म-सम्प्रदाय से जोड़ना उचित नहीं लगा, अतः 1931 में राष्ट्रीय ध्वज के स्वरूप के निर्धारण के लिए कराची कांग्रेस ने 7 व्यक्तियों की एक समिति बनाई और समिति ने एक ही रंग (केसरिया) के ध्वज में नीचे बायीं ओर लाल रंग के चरखे का चिन्ह अंकित करने का सुझाव दिया, जिसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया। तत्पश्चात पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई और उस बैठक में तिरंगे ध्वज को ही बीच की सफेद पट्टी में चरखे सहित मान्यता प्रदान की गई और उस निर्णय को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया लेकिन इसमें सबसे अहम बात यह रही कि तीनों पट्टियों के रंगों को धर्म-सम्प्रदायों से न जोड़कर उनके गुणों के आधार पर ही स्वीकार किया गया। इस ध्वज का आकार लम्बाई और चौड़ाई में 3:2 रखा गया।

1924 में आजादी के लिए संघर्षरत श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' ने झंडा गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' की रचना की और महात्मा गांधी ने उस गीत के दूसरे और तीसरे भाग को हटाकर उसे ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया। वह गीत पहली बार कानपुर में 1925 में कांग्रेस सम्मेलन में सामूहिक रूप से गाया गया। बाद में नेताजी सुभाष चंद्र बोष ने भी इसे एक लाख लोगों के साथ गाया और देखते ही देखते यह गीत क्रांतिकारियों का सबसे लोकप्रिय गीत बन गया। चाहे कांग्रेस का कोई सम्मेलन हो, कोई प्रभात फेरी हो अथवा क्रांतिकारियों का कोई आन्दोलन, ऐसे हर अवसर पर यही झंडा गीत बड़े ही जोशीले अंदाज में गाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के चंद दिनों पहले जब भारत के सम्मान और स्वाभिमान के प्रतीक स्वरूप स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की चर्चा चली तो 1931 में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए ध्वज को ही पुनः राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया लेकिन 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की एक बैठक में पं. नेहरू ने चरखे के स्थान पर इसमें देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये के प्रतीक 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को रखने का सुझाव दिया। संविधान सभा के सभी सदस्य इस सुझाव से सहमत हो गए और उसी दिन से राष्ट्रीय ध्वज को नए रूप में स्वीकार लिया गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्रीय ध्वज को वर्तमान स्वरूप तक पहुंचने के लिए करीब 41 वर्षों का बहुत लंबा सफर तय करना पड़ा।

संपादकीय

फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतः हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों–अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूनार्मेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूनार्मेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूनार्मेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूनार्मेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछ्व और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

अगर आप जागरूक नहीं हुए, तो आपके मालिक अंग्रेजों से भी बुरे साबित होंगे

महात्मा गांधी की यह अशुभ भविष्यवाणी आज देश के सामने एक खुलासे के तौर पर खड़ी है

'आज़ादी सिर्फ़ गोरे मालिकों को निकालने से नहीं मिलती, आज़ादी तभी बनी रहती है जब लोग अपने अधिकारों के लिए हमेशा जागरूक रहें...' दशकों पहले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देशवासियों को चेतावनी दी थी, 'अगर आप जागरूक नहीं हुए, तो आपके देसी मालिक अंग्रेज मालिकों से भी बुरे साबित होंगे। आज 21वीं सदी के भारत में, शासकों के घमंड, भ्रष्टाचार और ज़ुल्म को देखकर, बापू की ये बातें एक खुलासे या दिल दहला देने वाली भविष्यवाणी जैसी साबित हो रही हैं!

गोरे मालिक चले गए, लेकिन शासकों की सोच नहीं बदली!

अंग्रेज़ों के राज में जनता को 'गुलाम' माना जाता था, और आज डेमोक्रेसी के नाम पर चुने गए नेता और अधिकारी जनता को 'पादपीठ' समझते हैं। एजुकेशन सेक्टर में हुआ पेपर लीक कांड हो, गरीब पशुपालकों की कमाई के करोड़ों रुपये हड़पना हो, या अपने हक के लिए आवाज़ उठाने वाले बेकसूर स्टूडेंट्स और युवाओं पर बेरहमी से लाठीचार्ज हो–ये सब इस बात की गवाही देते हैं कि सत्ता के नशे में अंधा सिस्टम, अंग्रेजों के काले कानूनों से भी ज़्यादा क्रूर हो गया है।

चुप रहोगे तो कुचल दिए जाओगे: जागरूकता ही एकमात्र हथियार है

गांधीजी कहते थे कि जब ताकत बहुत ज़्यादा हो जाती है, तो वह हमेशा लोगों के हक छीनने की कोशिश करती है। बापू ने चेतावनी दी थी कि अगर लोग झूठ और अन्याय के सामने आंखें मूंद लेते हैं और चुप रहते हैं, तो शासकों की ताकतें इतनी बेकाबू हो जाएंगी कि वे ब्रिटिश राज से भी ज़्यादा क्रूर रूप ले लेंगी। आज जब शासक विरोध की आवाज़ दबाने के लिए खुलेआम खाकी वर्दी और गुंडा तत्वों का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो लोगों की चुप्पी इस देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई है। 'पाको गुजरात' का नारा प्यारे बापू के ये शब्द सिर्फ़ बीते हुए कल की बात नहीं हैं, बल्कि आज के देश के हर नागरिक, युवा और रखवाले के लिए एक चेतावनी हैं। अगर हम आज भी अपने हक़, शिक्षा और न्याय के लिए जागरूक नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी माफ़ नहीं करेंगी। अधिकारियों को याद रखना चाहिए कि यह देश लोगों का है, किसी मालिक का नहीं! अब समय आ गया है कि वे जागें और इन

नकली शासकों की आँखों में आँखें डालकर सवाल पूछें!

जब अन्न का एक दाना छोड़ने से सत्ता के सिंहासन हिल गए थे: पढ़िए उन भूख हड़तालों की कहानी जिन्होंने भारत का इतिहास लिखा और नक्शा बदल दिया!

'जब अन्याय हद पार कर जाता है, तो शब्द और हथियार कम पड़ जाते हैं... और तब 'अहिंसक उपवास' का ऐसा घातक हथियार पैदा होता है, जिसकी ताकत के आगे दुनिया की बड़ी-बड़ी सल्तनतें भी घुटने टेक देती हैं! चाहे सोनम वांगचुक हों, जो अपनी संस्कृति, ज़मीन और भविष्य की रक्षा के लिए लद्दाख के माइनस डिग्री तापमान में 21 दिन के आमरण अनशन पर बैठे थे, या वे महानुभाव जिन्होंने आज़ाद भारत का नया नक्शा बनाया–भारत के इतिहास में भूख हड़ताल सिर्फ़ पेट खाली रखने का उपवास नहीं रही है, बल्कि शासकों के अहंकार को चकनाचूर करने वाली क्रांति साबित हुई है। आज महानगर मेट्रो आपको भारत की ऐतिहासिक भूख हड़तालों के बारे में बताएगा, जिन्होंने देश की किस्मत और नक्शा दोनों बदल दिए। 1. भगत सिंह और उनके साथी: लाहौर जेल में 116 दिन की सज़ा ब्रिटिश सरकार जेल की सलाखों के पीछे भारतीय राजनीतिक कैदियों के साथ जानवरों जैसा बर्ताव करती थी। अंग्रेजों के इस अमानवीय अत्याचार के खिलाफ, क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह और उनके साथियों ने 1929 में लाहौर जेल में भूख हड़ताल का हथियार उठाया।

ब्रिटिश सरकार ने हड़ताल तोड़ने के लिए कैदियों की नाक से दूध ज़बरदस्ती निकालने की बेरहम कोशिशें कीं, लेकिन इन आज़ादी के दीवानों ने हार नहीं मानी। इसी भूख हड़ताल के दौरान, 63 दिन की लड़ाई के बाद क्रांतिकारी जतिन दास शहीद हो गए। इस भूख हड़ताल ने पूरे देश में क्रांति का ऐसा बवंडर मचाया कि ब्रिटिश राज की नींव हिल गई।

2. पोट्टी श्रीरामुलु: 56 दिन खाना न खाने के बाद बदल गया भारत का नक्शा!

आज़ादी के बाद सबसे बड़ा ऐतिहासिक बदलाव आंध्र प्रदेश राज्य का बनना था। 2 अक्टूबर 1952 को महात्मा गांधी के मानने वाले पोट्टी श्रीरामुलु ने अलग तेलुगु भाषी राज्य की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू कर दिया। 56 दिनों तक खाना-पानी न खाने के बाद पोट्टी श्रीरामुलु ने अपनी जान दे दी। उनके बलिदान के बाद पूरे दक्षिण भारत में ऐसी हिंसक क्रांति हुई कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को झुकना पड़ा। इसी भूख हड़ताल की वजह से 'स्टेट्स रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट' बना और भाषा के आधार पर पूरे भारत का नक्शा फिर से बनाना पड़ा!

3. महात्मा गांधी और अहमदाबाद मिल मज़दूर आंदोलन (1918)

गांधीजी ने सत्याग्रह और भूख हड़ताल को दुनिया का सबसे बड़ा अहिंसक हथियार बनाया। गांधीजी ने अहमदाबाद मिल मज़दूरों को प्लेग बोनस और सही सैलरी बढ़ाने के हक के लिए भारत की धरती पर पहली बार साबरमती के किनारे भूख हड़ताल की। मिल मालिकों का घमंड कुछ ही दिनों में पिघल गया और मज़दूरों को उनके हक मिल गए। गांधीजी ने साबित कर दिया कि बिना खून की एक बूंद बहाए भी सत्ता और पूंजीपतियों को दबाया जा सकता है

। 4. सोनम वांगचुक 21वीं सदी का बर्फीला आंदोलन और लद्दाख की आवाज़ आज जब मॉडर्न ज़माने में सत्याग्रह के मूल्यों को भुलाया जा रहा है, तो लद्दाख के जाने-माने शिक्षाविद और इंजीनियर सोनम वांगचुक एक बार फिर इतिहास दोहरा रहे हैं। संविधान के 6ह्लद्ध शेड्यूल के तहत लद्दाख को सुरक्षा देने की मांग और पर्यावरण को बचाने के लिए उन्होंने माइनस 15 डिग्री तापमान में 15,000 फीट की ऊंचाई पर सिर्फ़ पानी और नमक के सहारे 21 दिनों तक 'क्लाइमेट फास्ट' (उपवास) किया। सोनम वांगचुक की इस भूख हड़ताल ने देश और दुनिया का ध्यान लद्दाख की ओर खींचा है और यह साबित किया है कि ज़मीन और पर्यावरण बचाने की लड़ाई अभी भी उपवास के ज़रिए जीती जा सकती है।

महानगर मेट्रो के आखिरी शब्द

इतिहास गवाह है कि जब भी कोई शासक या अथॉरिटी अहंकार में अंधा होकर लोगों के अधिकार छीनने की कोशिश करता है, तो सत्याग्रह की भूख हड़ताल पूरे सिस्टम के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। भूख हड़ताल कोई कमजोरी नहीं है, बल्कि आत्म-शक्ति का एक घातक विस्फोट है जो इतिहास और भूगोल दोनों को बदल देता है!

अमरोहा में अस्पताल संचालक पर दलित नर्स के धर्म परिवर्तन और निकाह का आरोप, परिजनों को धमकाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र में स्थित साई जीवनदान अस्पताल के संचालक पर दलित नर्स का धर्म परिवर्तन कराकर निकाह करने का गंभीर आरोप लगा है. सैदनगली के उझारी निवासी पीड़ित परिवार ने जब अस्पताल के बाहर धरना दिया, तब पुलिस ने आरोपी संचालक के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया. पीड़ित युवती अस्पताल में काम करती थी और उसका विवाह तय हो गया था. विवाह की खबर मिलते ही आरोपी संचालक ने पहले लड़के वालों को भड़काया और फिर युवती को लेकर फरार हो गया. पुलिस अब गायब लड़की की तलाश में जुटी है. हैरानी की बात यह है कि धर्म विशेष के संचालक ने अपनी पहचान छिपाकर साई जीवनदान अस्पताल का संचालन कर रखा है. परिजनों का आरोप है कि जब वे बेटी की जानकारी लेने पहुंचे, तो स्टाफ ने पिता को धमकी दी और गाली-गलौज की. उन्होंने कहा कि 'चला जा नहीं तो तुझे भी यहीं कलमा पढ़ाकर मुस्लिम बना देंगे.' परिजनों ने अस्पताल पर लव जाल और गौकशी का अड्डा होने का आरोप लगाया है. पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर आरोपी संचालक के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट और जातिसूचक शब्द कहे जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है. एफआईआर की कॉपी में धर्म परिवर्तन और गौकशी जैसे शब्दों का उल्लेख किया गया है. परिजन अपनी गायब बेटी को संचालक के चंगुल से बचाने की मांग कर रहे हैं.

रायबरेली जिला अस्पताल से लापता हुई 13 वर्षीय किशोरी बरामद

शादी की झांसा देकर दरिंदगी करने वाला तौसीफ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायबरेली। रायबरेली के जिला अस्पताल से करीब दो हफ्ते पहले संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई 13 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। आरोप है कि बच्ची को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने नई बस्ती देवानंदपुर से किशोरी को बरामद किया है। पुलिस ने इस काले कारनामे में शामिल दो महिलाओं समेत मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अस्पताल में तीमारदारी के दौरान जाल में फंसाया

सीओ सिटीआशीष निगम ने बताया कि किशोरी की नानी ने थाना मिल एरिया में तहरीर दी थी कि उसका पोता इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती था। उसकी देख-रेख 13 वर्षीय पोती कर रही थी। इसी दौरान अस्पताल में मौका पाकर आरोपी सेवी उर्फ फूलजहां और आरती सिंह ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देशन में टीम गठित कर दबिश दी जा रही थी।

शादी का झांसा देकर की दरिंदगी

सीओ ने बताया कि सोमवार को पुलिस ने नई बस्ती देवानंदपुर में छापेमारी कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। जांच और पीड़िता के बयान में यह खौफनाक सच सामने आया कि आरोपी तौसीफ अहमद उर्फ गुड्डू ने किशोरी को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। सीओ ने बताया कि मिल एरिया इंस्पेक्टर संजय कुमार ने घेराबंदी करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बाराबंकी के जैदपुर के रहने वाले तौसीफ अहमद उर्फ गुड्डू, नई बस्ती देवानंदपुर की रहने वाली आरती सिंह और बहराना की रहने वाली सेवी उर्फ फूलजहां के रूप में हुई है। आरोपी महिला आरती सिंह का पहले से ही आपराधित इतिहास रहा है। उसके खिलाफ मिल एरिया थाने में एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की संगीन धाराओं में दो मुकदमे दर्ज हैं। रायबरेली पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव के कुछ लोग मेरे बारे में झूठी अफवाहें फैला रहे, व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज भेजकर इंदौर-कोटा एक्सप्रेस के आगे लेटा टीचर

मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में एक निजी स्कूल के शिक्षक ने जान दे दी है। साथ ही व्हाट्सएपग्रुप में एक मैसेज भी भेजा है। गांव के कुछ लोग टीचर को बदनाम कर रहे थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाजापुर। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। मक्सी थाना क्षेत्र के सिरोलिया गांव में एक निजी स्कूल के शिक्षक ने मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी है। इस कदम को उठाने से पहले मृतक शिक्षक ने एक स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुप पर संदेश लिखकर अपनी पीड़ा बयां की और कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए।

सिरोलिया रेलवे स्टेशन के पास की घटना

यह पूरी घटना सिरोलिया रेलवे स्टेशन के पास हुई । मृतक की पहचान सिरोलिया निवासी 38 वर्षीय सतीश जोशी पिता मणीशंकर जोशी के रूप में हुई है। सतीश गांव से करीब छह किलोमीटर दूर साजोद गांव के एक निजी स्कूल में शिक्षक थे और अपनी मेहनत के बल पर बच्चों को पढ़ाते थे। वह रोजाना पैदल ही स्कूल आया-जाया करते थे। सोमवार शाम जब वह लौट रहे थे, तभी इंदौर-कोटा ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। शाजापुर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया आत्महत्या करने से ठीक पहले सतीश जोशी ने एक व्हाट्सएप ग्रुप पर संदेश साझा किया था। इस संदेश में उन्होंने खुलासा किया कि गांव के कुछ लोग उनके बारे में लगातार गलत और झूठी

अफवाहें फैला रहे थे, जिससे वे पिछले दो महीनों से मानसिक तनाव और प्रताड़ना का शिकार थे।

गांव के लोगों पर आरोप

आत्महत्या से पहले मृतक शिक्षक सतीश जोशी ने व्हाट्सएप पर एक मैसेज किया, जिसमें गांव के दीपक (कालु) पाटीदार पर मानसिक प्रताड़ना देने का आरोप लगाया। प्रशासन से उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इसके साथ ही, उन्होंने अपने सभी मित्रों और परिचितों को अंतिम प्रणाम करते हुए लिखा कि यदि जाने-अनजाने उनसे किसी को कोई ठेस पहुंची हो तो वे उन्हें क्षमा कर दें।

नहीं हुई थी शादी

मामले में मृतक के भाई राहुल जोशी ने बताया कि सतीश अविवाहित थे। इसी बात को लेकर गांव के कुछ लोग उन्हें अक्सर परेशान करते थे और उनके खिलाफ अनर्गल बातें फैलाकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। लगातार मिल रहे मानसिक तनाव के कारण वह अंदर से पूरी तरह टूट चुके थे। मक्सी थाना प्रभारी मदन इवने ने मामले की पुष्टि की

जीतू पटवारी ने ग्वालियर कोर्ट में किया सरेंडर, जमानत भी मिली, 2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को ग्वालियर की विशेष MP/MLA कोर्ट में पहुंचकर चुपचाप सरेंडर कर दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक विवादित बयान के मामले में कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। सरेंडर के बाद अदालत ने सुनवाई करते हुए पटवारी को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 3 अगस्त को होगी, जहां उनके खिलाफ आरोप तय किए जा सकते हैं। यह पूरा विवाद मई 2024 का है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 4 मई 2024 को भिंड जिले के उमरी थाने में जीतू पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि पटवारी ने सार्वजनिक मंच से बीएसपी प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पर भारतीय जनता पार्टी के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया था। इसी बयान को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने जीतू पटवारी को 16 जनवरी 2026 को पेश होने का समन भेजा था। हालांकि, तय तारीख पर उनके न

पहुंचने पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

पुलिस कप्तान को मिले थे सख्त निर्देश

वारंट जारी करने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने भिंड एसपी को साफ निर्देश दिए थे कि 27 जुलाई तक हर हाल में जीतू पटवारी की कोर्ट में मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। पुलिस के बढ़ते दबाव और विधिक अड़चनों से बचने के लिए जीतू पटवारी अपने वकीलों की टीम के साथ चुपचाप ग्वालियर पहुंचे और सरेंडर की अर्जी दाखिल की।

केस से जुड़े मुख्य तथ्य

घटना की तारीख: 4 मई 2024 (भिंड के उमरी थाने में स्नह्वक्र दर्ज)

विवाद की वजह: बीएसपी प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पर बीजेपी से साठगांठ का आरोप

कोर्ट का एक्शन: 16 जनवरी 2026 को पेश न होने पर जारी हुआ था वारंट

राहत: 25 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत

अगली सुनवाई: 3 अगस्त 2026 (आरोप तय होने की संभावना)

ग्वालियर-चंबल की सियासत पर असर

ग्वालियर-चंबल बेल्ट में चुनाव के दौरान नेताओं के बीच जुबानी तीर चलना आम बात है, लेकिन चुनावी भाषणों के बाद कानूनी शिकंजा कसने का यह मामला राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। 3 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर पूरे प्रदेश के सियासी जानकारों की नजरें टिकी रहेंगी।

एक ही मंदिर के लिए दो अलग रास्ते दिखा रहे बोर्ड, मेट्रो के काम से भोपाल में रेंग रहीं गाड़ियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। ब्लू लाइन मेट्रो के काम में तेजी आते ही डिपो चौराहा, जवाहर चौक और न्यू मार्केट रूट पर ट्रैफिक बेपटरी हो गया है। कन्फ्यूजिंग डाइवर्जन बोर्ड और खुले तारों के बीच वाहन चालक परेशान हैं। भोपाल राजधानी भोपाल में ब्लू लाइन मेट्रो प्रोजेक्ट के एलिवेटेड कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन इसके साथ ही शहर की सड़कों पर बदहाली और जाम का दौर भी शुरू हो चुका है। डिपो चौराहा से लेकर जवाहर चौक और न्यू मार्केट वाले सबसे चालू रास्ते पर गाड़ियों की रफ्तार बुरी तरह थम गई है। रास्ते पर जगह-जगह सड़क की चौड़ाई कम हो गई है, तो कहीं बीचों-बीच टेलीकॉम केबल बिखरे पड़े हैं। एक ही मंदिर के लिए दो अलग-अलग रास्ते दिखा रहे बोर्ड सबसे ज्यादा अफरा-तफरी जवाहर चौक पर देखने को मिल रही है, जहां प्रशासन के डाइवर्जन बोर्ड लोगों की मदद करने के बजाय उन्हें और उलझा

रहे हैं। एक साइनबोर्ड सीधा जाने का इशारा करता है, तो वहीं पास लगा दूसरा बोर्ड बाएं मुड़ने को कहता है, लेकिन मजे की बात यह है कि दोनों ही बोर्ड 'हनुमान मंदिर' पहुंचाने का दावा कर रहे हैं। इस भ्रम के चलते वाहन चालक गाड़ियों के ब्रेक लगाने को मजबूर हैं, जिससे पीछे गाड़ियों की लंबी कतारें लग रही हैं। अटल पथ का हिस्सा भी चपेट में, बीच सड़क पर काटी जा रही केबल न्यू मार्केट के पास बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर की वजह से सड़क के बीच का डिवाइडर हटा दिया गया है। कभी आदर्श 'स्मार्ट स्ट्रीट' के तौर पर उभरे अटल पथ कॉरिडोर का बड़ा हिस्सा इस निर्माण कार्य के दबाव में आ चुका है। चलते ट्रैफिक के ठीक बगल में टेलीकॉम कर्मचारी ऑप्टिकल फाइबर केबल जोड़ते दिख रहे हैं, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं: बैरिकेडिंग नाकाफी है और कई जगह काम में लगी लाइटें सीधे ड्राइवरों की आंखों पर पड़ रही हैं। खुली केबल का खतरा: मुख्य सड़क पर बिखरी यूटिलिटी लाइनें हादसों को न्योता दे रही हैं। अचानक बदले गए इस ट्रैफिक रूट से सबसे ज्यादा परेशानी दफ्तरों को जाने वाले और न्यू मार्केट खरीदारी करने आने वाले लोगों को हो रही है। इस पूरी अव्यवस्था और सुरक्षा के इंतजामों को लेकर मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (MPMR-CL) के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

शाहपुरा झील में अवैध निर्माण पर एनजीटी सख्त, 3 हफ्ते में अतिक्रमण हटाने और सीमांकन की रिपोर्ट तलब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सेंट्रल बेंच ने भोपाल की मशहूर शाहपुरा झील को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। ट्रिब्यूनल ने साफ किया है कि शाहपुरा झील एक नोटिफाइड वेटलैंड है। इसलिए इस पर 'वेटलैंड रूल्स 2017' लागू होंगे, जिसके तहत फुल टैंक लेवल से 50 मीटर तक का दायरा नो-कंस्ट्रक्शन बफर जोन रहेगा। अदालत ने भोपाल मास्टर प्लान-2005 के 33 मीटर वाले नियम को दरकिनार करते हुए स्पष्ट किया कि वेटलैंड रूल्स ही मान्य होंगे। जस्टिस शेव कुमार सिंह और एक्सपर्ट मेंबर सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने प्रशासन को 3 हफ्ते में अतिक्रमण पर रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

बारिश से पहले हटेगी झील किनारे जमा सिल्ट

एनजीटी ने भोपाल कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर को निर्देश दिया है कि झील के किनारों पर डंप की गई सिल्ट को एक हफ्ते के भीतर हटाया जाए। कोर्ट ने चिंता जताई कि मानसून के दौरान यह कचरा दोबारा पानी में बहकर झील को प्रदूषित कर सकता है।

इसके साथ ही ट्रिब्यूनल ने किसी भी तरह के अवैध निर्माण पर तुरंत रोक लगाने और झील में बिना ट्रीट किया हुआ गंदा पानी गिरने से रोकने की सख्त ताकीद की है। यह पूरा मामला एक मीडिया रिपोर्ट पर लिए गए स्वतः संज्ञान और पर्यावरण कार्यकर्ता नितिन सक्सेना की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ता और अधिवक्ता हरप्रीत सिंह गुप्ता ने कोर्ट में झील के बफर जोन में अतिक्रमण, अधूरी सफाई और सीवेज के पानी के मिलने का मुद्दा उठाया था।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की रिपोर्ट पर उठा सवाल

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के जॉइंट डायरेक्टर ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सौंपी अपनी रिपोर्ट में माना था कि मौजूदा सीमांकन में झील के वास्तविक फैलाव और बफर जोन की सही स्थिति नहीं दिखती। एनजीटी ने इसी उलझन को सुलझाते हुए वेटलैंड रूल्स को प्राथमिकता दी है। अब 2 सितंबर को होने वाली सुनवाई पर राजधानी के पर्यावरण प्रेमियों की नजर रहेगी।

क्कके 12 लाख शिक्षा कर्मियों के लिए कैशलेस इलाज योजना, जानें कैसे मिलेगा लाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के शिक्षा जगत से जुड़े कर्मचारियों के लिए 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना' की शुरुआत की है. इस जन कल्याणकारी पहल के जरिए राज्य के करीब 12 लाख शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों और शिक्षा विभाग के अन्य कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिजनों को बड़ी राहत दी गई है. इस योजना के तहत लाभार्थी सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज का लाभ ले सकेंगे. राज्य सरकार हर लाभार्थी का पूरा सालाना प्रीमियम, 3,000, खुद वहन करेगी, जिससे पात्र कर्मचारियों को बीमा की लागत में किसी भी तरह का योगदान नहीं देना होगा. यह योजना उन सरकारी शिक्षकों को कवर करती है जिनके नाम विभागीय रिकॉर्ड में दर्ज हैं, साथ ही योजना के दिशा-निर्देशों के तहत तय किए गए पात्र परिवार के सदस्य भी इसमें शामिल होंगे. कैशलेस भर्ती और दावों की प्रक्रिया आसान हो जाएगी. इस स्वास्थ्य कवर में अस्पताल में भर्ती, सर्जरी, आपातकालीन इलाज, डायग्नोस्टिक टेस्ट, ढ्ढष्ट इलाज, विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श और योजना के प्रावधानों के अनुसार दवाइयां शामिल हैं. लागू नियमों के आधार पर, कुछ OPD सेवाएं भी इस योजना के दायरे में आ सकती हैं. राज्य सरकार के मुताबिक, इस पहल का मकसद शिक्षकों और शिक्षा कर्मियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को बेहतर बनाना है, ताकि उन्हें इलाज के खर्च की चिंता किए बिना समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल सके. अधिकारियों के मुताबिक, इस कदम से उत्तर प्रदेश भर के करीब 12 लाख शिक्षा कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है.

'छात्रों के सिर खुले हुए आए थे, हिटलर से तुलना क्यों न करें', लाठीचार्ज पर भड़के अखिलेश यादव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा और नीट पेपर लीक को लेकर तीखा हमला बोला. उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई कार्रवाई की तुलना हिटलर के दौर से की और कहा कि प्राइवेट कपड़ों में लोग लाठी लेकर छात्रों को पीट रहे थे. उन्होंने दावा किया कि मंत्रियों पर इस्तीफे का दबाव इसलिए नहीं बन रहा क्योंकि उनके इस्तीफे से दबे राज खुल सकते हैं. समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है. समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कहा कि भाजपा अपने मंत्रियों पर इस्तीफे का दबाव इसलिए नहीं बना पा रही क्योंकि उसे डर है कि इस्तीफा देने पर दबे हुए राज खुल जाएंगे. उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की तुलना हिटलर के दौर से की और कहा कि प्राइवेट कपड़ों में लोग लाठी लेकर छात्रों को पीट रहे थे. अखिलेश ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक 20 पेपर लीक हो चुके हैं. अखिलेश यादव ने कहा कि सोमवार को छात्रों और युवाओं के साथ जो व्यवहार हुआ, वैसा आजादी के बाद पहले कभी नहीं देखा गया. उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में शामिल कई छात्रों के सिर पर चोट आई, आंसू गैस के गोले चलाए गए और कुछ छात्रों की हड्डियां तक टूट गईं. उनका कहना था कि ये छात्र दूर दूर से दिल्ली आए थे और उन्हें रास्ते तक की जानकारी नहीं थी, फिर भी वे सिर्फ सरकार की नीतियों से नाराज होकर वहां पहुंचे थे. सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया पर आए वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि जिस तरह हिटलर ने अपने राजनीतिक लोगों का गैंग बनाया था, उसी तरह प्राइवेट कपड़ों में कुछ लोग लाठी लेकर छात्रों को पीटते नजर आए. उन्होंने इसे लोकतंत्र में पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और कहा कि पार्टी लगातार इस सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी. उन्होंने सरकार से अपील की कि आंदोलनकारियों को हटाने के बजाय सम्मान के साथ खुद कुर्सी छोड़ दी जाए. हिटलर से तुलना पर सवाल किए जाने पर अखिलेश ने कहा कि अगर वीडियो सामने आ रहे हैं तो सच्चाई सामने लाना सरकार की जिम्मेदारी है. उन्होंने पूछा कि क्या सरकार खुद इसमें शामिल है. नीट परीक्षा को लेकर अखिलेश ने कहा कि पेपर लीक की जिम्मेदारी सरकार की है और यही वजह है कि परीक्षा दोबारा करानी पड़ी. उन्होंने दावा किया कि जहां जहां भाजपा की सरकार है, वहां पेपर लीक हो रहे हैं और अकेले उत्तर प्रदेश में 20 पेपर लीक हो चुके हैं.

योगी सरकार छात्राओं को फ्री में देगी स्कूटी; जानिए क्या है रानी लक्ष्मीबाई Scoot4 योजना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की लाखों छात्राओं के लिए योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 16 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई. इनमें सबसे ज्यादा चर्चा रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना की रही. इस योजना के तहत प्रदेश की मेधावी छात्राओं को मुफ्त पेट्रोल वाली स्कूटी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनकी उच्च शिक्षा और कॉलेज तक आने-जाने की राह आसान हो सके. इसके अलावा कैबिनेट ने प्रयागराज से सोनभद्र तक बनने वाले विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे, कई विभागों के प्रस्ताव पर भी अहम फैसले लिए.

रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को मिली मंजूरी

कैबिनेट के फैसले के अनुसार रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना अब प्रदेश में लागू होगी. योजना का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक रूप से जरूरतमंद तथा मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है. सरकार का मानना है कि परिवहन की सुविधा नहीं होने के कारण कई छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है. स्कूटी मिलने से छात्राओं के लिए कॉलेज और विश्वविद्यालय तक पहुंचना आसान होगा और उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ेगी कैबिनेट के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रदेश के सभी प्रकार के कॉलेजों से उत्तीर्ण होने वाली टॉप 5 प्रतिशत छात्राओं को इस योजना का लाभ मिलेगा. योजना के तहत पेट्रोल चालित स्कूटी वितरित की जाएगी. सरकार ने स्पष्ट किया है कि लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता रखी जाएगी. सरकार ने योजना में सामाजिक संवेदनशीलता को भी शामिल किया है. लाभार्थियों के चयन में दिव्यांग छात्राएं, शहीदों के परिवार की बेटियां, निराश्रित परिवारों की छात्राओं को प्राथमिकता दी जाएगी. सरकार का मानना है कि इससे शिक्षा के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण को भी नई गति मिलेगी.

लोधी कॉलोनी में आग, घर में मां-दो बेटियों की जलकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। साउथ दिल्ली के लोधी रोड स्थित बीके दत्त कॉलोनी में एक रिहायशी इमारत में आग लग गई. आग इमारत की तीसरी मंजिल पर आग लगी और इस हादसे में एक महिला और उसकी दो बेटियों की झुलसकर मौत हो गई. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें मंगलवार सुबह करीब 10.21 बजे लोधी रोड पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बीके दत्त कॉलोनी में आग लगने की सूचना मिली थी. ये हादसा चावला स्वीट्स के सामने बनी एक इमारत में हुआ. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक वॉटर टेंडर, एक वॉटर बाउज़र और एक ब्रीथिंग अपैरेटस टेंडर को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया. दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया. तीसरी मंजिल पर तलाशी अभियान के दौरान एक महिला और उसकी दो बेटियों के शव बरामद हुए. आग की चपेट में आने से तीनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी. फायर ब्रिगेड की टीम ने सुबह 11.10 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया. इसके बाद, दोबारा आग न भड़के, इसके लिए कूलिंग ऑपरेशन शुरू किया गया. फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है. पुलिस मृतकों की जानकारी जुटाने और उनके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है. शुरुआती जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है. पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर हादसे की वजहों की जांच कर रही है.

दिल्ली में होगा देश के सबसे बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन, CM रेखा गुप्ता करेंगी उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मेगा रक्तदान शिविर आयोजित होने जा रहा है. यह रक्तदान शिविर भारतीय सशस्त्र बलों और थैलेसीमिया के योद्धाओं को समर्पित किया जा रहा है. इस मेगा रक्तदान अभियान के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा. दिल्ली के जापानी पार्क में 2 अगस्त को मेगा रक्तदान शिविर आयोजित होने जा रहा है. इस शिविर का उद्घाटन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी. इसका आयोजन लक्ष्मी तरु फाउंडेशन कर रहा है. आयोजकों के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य देश में स्वैच्छिक रक्तदान को जनांदोलन बनाने के साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाने के पुनीत कार्य से आम लोगों को जोडना है. इस बार का रक्तदान शिविर भारतीय सशस्त्र बलों और थैलेसीमिया के योद्धाओं को समर्पित किया जा रहा है. इस रक्तदान अभियान के जरिए लगभग 3100 यूनिट रक्त संग्रहीत करने का लक्ष्य है. लक्ष्मी तरु फाउंडेशन के संस्थापक व अध्यक्ष विपिन गर्ग कहना है कि इस रक्तदान के जरिए प्राप्त रक्त का इस्तेमाल सशस्त्र बलों के जवानों, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और प्रमुख अस्पतालों में उपचाराधीन हजारों मरीजों के जीवन बचाने के लिए दिया जाएगा. रक्तदान के आयोजकों का कहना है कि चूंकि सेना के हर जवान के रक्त की हर बूंद किसी न किसी को नया जीवन देती है, लिहाजा रक्तदान के जरिए हासिल रक्त का इस्तेमाल उनके लिए ही किया जाना चाहिए. लक्ष्मी तरु फाउंडेशन के महासचिव अंकित गर्ग का कहना है कि यह रक्तदान अभियान सिर्फ रिकॉर्ड बनाने का प्रयास नहीं, बल्कि पूरे देश को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का राष्ट्रीय अभियान है. रक्तदान के प्रति जनजागरूकता का एक ऐतिहासिक अभियान होगी, जो 2 अगस्त को होने वाले भारत के सबसे बड़े मेगा रक्तदान शिविर का संदेश दिल्ली और देशभर के लोगों तक पहुंचाएगी.

अन्ना हजारे CJP के प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज से नाराज, बोले- सभी मुद्दे सहमति से सुलझाए जा सकते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। NEET पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हो गई। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस घटना के बाद देशभर की कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार की आलोचना की। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर प्रक्रिया दी है। अन्ना हजार ने छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज पर नाराजगी जताते हुए बड़ी बात कही है। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि पुलिस ने किन परिस्थितियों में लाठीचार्ज किया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि लोकतंत्र में सभी विवाद और मतभेद बातचीत तथा आपसी सहमति के जरिए सुलझाए जा सकते हैं। हजारे ने किसी भी पक्ष पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए संवाद को ही सबसे बेहतर रास्ता बताया।

CJPका एक प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिला

बता दें कि सोनम वांगचुक को रविवार सुबह जंतर-मंतर से पुलिस द्वारा हटाए जाने के बाद आंदोलन को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई थी। वांगचुक NEET पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। उनके हटाए जाने के बाद यह सवाल उठ रहा था कि 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च होगा या नहीं, लेकिन CJP ने तय कार्यक्रम के अनुसार मार्च निकाला। मार्च के दौरान CJP का एक प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलने भी पहुंचा। इसके बाद पार्टी ने जानकारी दी कि CJP नेता अभिजीत दीपके ने अपना ढाई दिन का उपवास समाप्त कर दिया है। हालांकि, इसके बावजूद प्रदर्शन जारी रहा और संसद की ओर बढ़ते समय पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया।

BA छात्रा से एक साल तक यौन शोषण अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर मामला सामने आया है। यहां 21 वर्षीय BA प्रथम वर्ष की छात्रा ने आरोप लगाया है कि इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद एक युवक ने पहले उसे प्रेमजाल में फंसाया और फिर उसका यौन शोषण किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर भी पीड़िता का लगातार एक साल तक यौन शोषण किया। विरोध करने पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया जाता रहा। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, वर्ष 2025 में पुणे के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद उसकी इंस्टाग्राम के माध्यम से फरहान शेख से पहचान हुई। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और कुछ ही समय में यह रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। आरोप है कि दोस्ती के महज दो दिन बाद फरहान उसे घूमने के बहाने वाघोली क्षेत्र में एक कमरे पर ले गया, जहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का आरोप है कि इस घटना के बाद फरहान ने उसके आपत्तिजनक वीडियो बना लिए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल करता रहा। इसी दौरान उसने अपने तीन साथियों फजल शेख, रेहान शेख और साहिल को भी इस साजिश में शामिल कर लिया। आरोप है कि चारों ने अलग-अलग स्थानों पर पिछले एक वर्ष के दौरान कई बार उसके साथ यौन शोषण किया। पीड़िता का कहना है कि जब भी उसने विरोध करने या पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही, आरोपियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने और बदनाम करने की धमकी देकर उसे डराया-धमकाया। मानसिक दबाव और बदनामी के भय के कारण वह लंबे समय तक चुप रही। आखिरकार हिम्मत जुटाकर पीड़िता ने वाघोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने फरहान शेख, फजल शेख, रेहान शेख और साहिल के खिलाफ यौन शोषण, आपराधिक धमकी और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सभी आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं।

मामले की विस्तृत जांच जारी है और पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कहीं इस पूरे प्रकरण में कोई अन्य व्यक्ति शामिल तो नहीं है। साथ ही आरोपियों के मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

MV Ruen Hijack और Al-Kambar केस में 44 सोमालिया के समुद्री लुटेरो को उम्र कैद, मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने दी सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। विशेष अदालत ने साल 2024 के दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार 44 सोमाली समुद्री लुटेरों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। हालांकि आरोपियों ने भाषा,खान-पान संस्कृति और जीवन शैली के अंतर के कारण हो रही परेशानी के चलते अदालत ने नरमी दिखाने का आग्रह किया था,लेकिन अदालत ने उनके आग्रह को अस्वीकार कर दिया। विशेष जज संजय दिगे ने आरोपियों को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ हत्या की कोशिश और अपहरण के आरोपों के तहत मुकदमा चलाया गया था। भारतीय नौसेना ने मार्च 2024 में 44 में से 9 लोगों को उस समय गिरफ्तार किया था। जब आरोपियों ने ईरान की एक मछली पकड़ने वाली नाव को रोका था। नाव में कुछ पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे। उसी महीने नौसेना ने एक और मर्चेंट जहाज को अगवा करने के आरोप में 35 समुद्री लुटेरों को पकड़ा था। दो साल तक न्यायिक हिरासत में रहे आरोपियों के खिलाफ मैरीटाइम एंटी पाइरेसी ऐक्ट, अवैध गतिविधि प्रतिबंधक कानून, आर्म्स ऐक्ट, एक्सपेंसिव सब्सटेंस ऐक्ट, पासपोर्ट कानून और फॉरेनर अधिनियम के प्रावधानों के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने केस में चार्जशीट दायर की थी। सभी आरोपियों को मुंबई लाया गया और येलो गेट पुलिस स्टेशन ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था। सभी आरोपी दो साल से न्यायिक हिरासत में थे और उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया था।

कोर्ट ने क्या कहा

आरोपियों ने दावा किया था कि जीवन शैली और भाषा में अंतर के चलते तथा परिवार और दोस्तों से किसी तरह की मदद न मिलने के चलते उन्हें भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आरोपियों ने जज के सामने कहा था कि उन्होंने स्वेच्छा से अपराध कबूला है। विशेष सरकारी वकील ने कहा कि आरोपियों के अपराध गंभीर है। उन्हें उनकी करतूत के हिसाब से सजा मिलनी चाहिए। केस में आरोपियों की संलिप्तता को दर्शाने वाले पर्याप्त सबूत है। इन दलीलों के मद्देनजर जज ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ लगे आरोप संदेह से परे जाकर साबित हुए है। उनका अपराध गंभीर है। आरोपियों को अलग-अलग धाराओं के तहत दो से दस साल तक की भी सजा सुनाई गई है। सभी सजाएं एक साथ चलेगी।

CJP-सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन पड़ा भारी, उद्धव ठाकरे की सभा के आयोजकों पर 5 FIR दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पिछले दो दिनों में बिना इजाजत किए गए अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है. दादर में शिवाजी पार्क इलाके में आयोजित एक जनसभा के आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. इस कार्यक्रम में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शिरकत की थी.रविवार को शिवाजी पार्क में एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को दिल्ली के जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराए जाने के विरोध में एक सभा आयोजित की गई थी. इस सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया था. झमुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहर में बिना अनुमति प्रदर्शन करने के मामले में कुल 5 FIR दर्ज की जा चुकी हैं. कार्यक्रम के आयोजकों पर गैर-कानूनी तरीके से भीड़ जमा करने और बिना इजाजत प्रदर्शन करने के आरोप हैं. शनिवार को मरीन ड्राइव और आजाद मैदान थानों में दो मामले दर्ज किए गए थे. इनमें से एक मामला मंत्रालय के पास हुए प्रदर्शन और दूसरा प्रेस क्लब के पास वामपंथी संगठनों के प्रदर्शन से जुड़ा है. रविवार को शिवाजी पार्क थाने में तीन और FIR दर्ज की गई.

चैत्यभूमि पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया

सोमवार को दादर में डॉ. बी. आर. आंबेडकर के स्मारक 'चैत्यभूमि' पर भी बिना अनुमति प्रदर्शन आयोजित किया गया. ये प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद चलो' मार्च और सोनम वांगचुक के समर्थन में किया गया था. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है. पुलिस अधिकारी के मुताबिक PWPI, CPI(M) और CJP समर्थकों को इस प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई थी. शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है. पुलिस ने सभी मामलों में आरोपियों पर सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने, रास्ता रोकने और गैर-कानूनी तरीके से भीड़ जुटाने जैसी धाराओं में केस दर्ज किया है. हालांकि, FIR में नामजद सभी लोगों को नोटिस देकर छोड़ दिया गया. इस बीच मुंबई पुलिस ने 23 जुलाई से 6 अगस्त तक धारा 163 लागू कर दी है. इसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर पांच या उससे ज्यादा लोगों के जमा होने, रैलियां निकालने, लाउडस्पीकर बजाने और पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह रोक रहेगी.

एनकाउंटर के बाद नंदू गैंग के 2 इनामी बदमाश अरेस्ट, Delhi Police की जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

बाहरी जिला पुलिस ने टिकरी कला के पास मुठभेड़ के बाद कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो बदमाश प्रवीण और रोहित को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बाहरी जिला के स्पेशल स्टाफ की टीम ने कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद दबोचा है। दोनों के पैर में गोली लगी है। इनकी पहचान प्रवीण उर्फ पिंकी और रोहित के रूप में हुई है। दोनों संगम विहार और नरेला के रहने वाले हैं। फिलहाल अस्पताल में इनका इलाज चल रहा है। डीसीपी आउटर विक्रम मीणा ने बताया प्रवीण पहले से आधा दर्जन मामलों में शामिल रहा है और रोहित पर 4 मामले दर्ज हैं। रोहित नरेला थाने में दर्ज एक मामले में परोल जंप करके फरार चल रहा था। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। दोनों हरियाणा के बहादुरगढ़ इलाके में हुई एक कारोबारी पर फायरिंग के मामले में वांटेड चल रहे थे। इनके पास से पुलिस ने दो सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, तीन कारतूस, चोरी की बाइक और 4 खाली कारतूस बरामद किए हैं। बदमाशों की गोलियां दो कॉन्स्टेबल की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी पुलिस के अनुसार 19 जुलाई को स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि दोनों बदमाश टिकरी कला के पास पीवीसी मार्केट रोड पर अपने एक साथी से मिलने के लिए आने वाले हैं। सूचना पर एसीपी वीरेंद्र दलाल की देखरेख में पुलिस टीम ने ट्रैप लगाया। जब ये दोनों वहां पहुंचे तो पुलिस ने दोनों को सरेंडर करने के लिए कहा। इन्होंने भगाने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जो दो कॉन्स्टेबल की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में गोली चलाई जो दोनों बदमाशों के पैरों में लगी। इसके बाद दोनों को पकड़ लिया गया।

दिल्ली के हरि नगर में भीषण आग, 2 सिलेंडर ब्लास्ट से मची अफरा-तफरी, 8 लोगों को किया गया रेस्क्यू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। हरि नगर स्थित फतेह नगर में मंगलवार सुबह एक रिहायशी इमारत की पार्किंग में भीषण आग लग गई। आग के दौरान दो एलपीजी सिलेंडरों में विस्फोट हुआ और चार वाहन जलकर खाक हो गए। नई दिल्ली पश्चिमी दिल्ली के हरि नगर इलाके के फतेह नगर में मंगलवार सुबह एक रिहायशी इमारत की पार्किंग में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। जिसके बाद पार्किंग में रखे दो एलपीजी सिलेंडरों में जोरदार धमाके हुए। मंगलवार सुबह हुए इन धमाकों की चपेट में चार वाहन आ गए, जिनमें सभी जलकर खाक हो गए। आनन-फानन में दमकल विभाग को आग और सिलेंडर ब्लास्ट की सूचना दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर विभाग की कई गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायरकर्मियों ने ने राहत एवं बचाव अभियान के दौरान इमारत में फंसे 8 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, समय रहते रेस्क्यू अभियान चलाए जाने से बड़ा हादसा टल गया।

दिल्ली में 'परिवर्तन' योजना को हरी झंडी; पुराने वाहन स्क्रैप करें और नए पर पाएं कई रियायतें

दिल्ली सरकार ने पुराने व्यावसायिक वाहनों की जगह बीएस छह और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए परिवर्तन योजना को मंजूरी दी है।

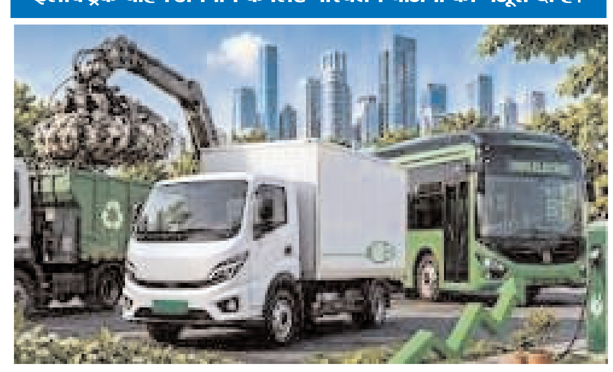

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रदूषण कम करने और व्यावसायिक वाहनों के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र की 'परिवर्तन' योजना लागू करने को मंजूरी दे दी है। सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिली। योजना के तहत बीएस-IV या उससे नीचे के पुराने ट्रक, बस और मालवाहक वाहनों को स्क्रैप कर बीएस-VI या इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर कई वित्तीय प्रोत्साहन मिलेंगे। पात्र हल्के मालवाहक इलेक्ट्रिक वाहन पर 10 साल तक मोटर वाहन टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100' छूट, 5' ब्याज सब्सिडी, वाहन निर्माता की ओर से छूट और ईंधन वाउचर का लाभ मिलेगा।

रसोई में भी एथेनॉल!

पेट्रोल मे एथेनॉल मिश्रण (E20) को लेकर बहस के बीच केंद्र सरकार अब एथेनॉल को घरेलू रसोई ईंधन के रूप में बढ़ावा देने की तैयारी कर रही है।

कारों के बाद एथेनॉल जल्द रसोई तक भी पहुंच सकता है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ऐसी नीति पर काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य एथेनॉल को LPG के साथ घरेलू खाना पकाने के लिए मुख्यधारा का ईंधन बनाना है।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नीति सितंबर तक तैयार हो सकती है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय इसे एलपीजी के साथ घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रूप में शामिल करने के लिए नीति तैयार कर रहा है। ईंधन सप्लाई से जुड़े उद्योग संगठन इस प्रस्तावित नीति को लेकर सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं। एलपीजी पर निर्भरता कम करने की हो रही है कोशिश प्रस्तावित नीति के तहत सरकार एथेनॉल को अपनाने के लिए सब्सिडी व्यवस्था और आवश्यक सप्लाई चेन विकसित करने के उपायों पर विचार कर रही है। साथ ही, ईंधन आपूर्ति से जुड़े उद्योग संगठन भी सरकार के साथ इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं।

किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बातचीत से निकलना चाहिए

–सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर हेमा मालिनी, व कंगना ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने अब सियासी गलियारों के साथ-साथ फिल्मी दुनिया में भी हलचल मचा दी है। संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन जब प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने निकले तो बीजेपी सांसद और बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी ने इस पूरे आंदोलन को लेकर कहा कि इस तरह के विरोध का कोई मतलब नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि इससे पहले कंगना रनौत भी इसी मुद्दे पर प्रदर्शनकारियों को निशाने पर ले चुकी हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन संसद परिसर पहुंचीं हेमा मालिनी ने मीडिया से कहा कि किसी भी मुद्दे का समाधान प्रदर्शन नहीं, बल्कि बातचीत से निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या है तो उस पर सही तरीके से चर्चा होनी चाहिए। इस तरह से प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जहां तक देश के युवाओं और शिक्षा व्यवस्था का सवाल है, हमारी मोदी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और बहुत काम किया है। इसे देखते हुए आप लोग जो प्रदर्शन कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं बनता. इसे बातचीत से हल करना चाहिए। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने भी मीडिया से बात करते हुए इस प्रदर्शन पर सवाल उठाए।

कंगना ने कहा कि संसदीय सत्र का उद्देश्य ही हर मुद्दे पर विस्तृत चर्चा करना है। हंगामा करके सरकार पर दबाव बनाना और यह तय करने की कोशिश करना कि किसे पद पर रखा जाए और किसे हटाया जाए, पूरी तरह से गलत है। जहां एक तरफ बॉलीवुड के कई सेलेब्स को बीजेपी का सपोर्ट मिल रहा है। वहीं, सीजेपी के आंदोलन को कई फिल्मी हस्तियों का समर्थन भी मिला है। वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और अपना समर्थन जताया। उनके अलावा प्रकाश राज भी प्रदर्शन स्थल पर नजर आए। सोशल मीडिया पर इमरान खान, नसीरुद्दीन शाह, जीनत अमान, अभय देओल, सोनी राजदान, सोनाक्षी सिन्हा, ओमी वैद्य, और रत्ना पाठक शाह जैसे कलाकार भी आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में अपनी राय रख चुके हैं।

मोदी सरकार किसानों और छात्रों के प्रति असंवेदनशील और उदासीन है : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसानों की तरह लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के प्रति भी असंवेदनशील और उदासीन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि ठीक एक साल पहले तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उनके पांच साल के कार्यकाल के तीन साल बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी बड़े धूमधाम से धनखड़ को पद पर लाए थे, लेकिन किसानों की दुर्दशा और पीड़ा और मोदी सरकार की उनके प्रति चौंकाने वाली असंवेदनशीलता पर बार-बार अपनी व्यथा व्यक्त करने के कारण धनखड़ को अचानक पद छोड़ना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी तरह की असंवेदनशीलता और उदासीनता अब लाखों छात्रों और युवाओं की गंभीर चिंताओं के मामले में भी पूरी तरह दिखाई दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ को राज्यसभा के सदस्यों की ओर से औपचारिक विदाई देने का शिष्टाचार भी नहीं दिखाया गया। पिछले साल संसद के मानसून सत्र के दौरान 21 जुलाई को तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सकीय सलाह का हवाला दिया था।

ओडेसा हमला : यूक्रेन युद्ध में 4 भारतीय नाविकों की मौत, सुरक्षा पर सवाल

- वाणिज्यिक जहाज पर हमले में कुल 10 जानें गईं; भारत ने निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों सहित कुल 10 लोगों की मौत हो गई है। भारत ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए युद्धग्रस्त क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार 19 जुलाई की शाम एम.वी. गोल्डन लियो नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीयों ने जान गंवाई, जबकि चालक दल के 17 सदस्यों में से एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों और निर्दोष नाविकों को निशाना बनाने को निंदनीय बताया। विदेश मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालने को अस्वीकार्य करार दिया। उधर, यूक्रेन ने हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया; विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी मिसाइलों ने एक असैन्य जहाज को निशाना बनाया, जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मार्ग पर था। यह यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का पहला मामला है। भारतीय दूतावास स्थिति पर लगातार नज़र रखे हुए है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दे रहा है। सरकार ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायल नागरिक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में आठ सप्ताह में सीबीआई जवाब दाखिल करे–हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने के आदेश देने का आग्रह करने वाली याचिका पर करीब दो घंटे तक सुनवाई की। हाई कोर्ट की वेबसाइट पर पीठ का आदेश उपलब्ध नहीं था। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति आर. एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी. आर. सिंह की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर यह सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है और इस मामले की सीबीआई और ईडी से जांच की मांग की है। पीठ ने अपने पिछले आदेश में कहा था कि उम्मीद की जाती है कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिल गई है तो शिकायत के आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जा सकती है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत उचित कदम उठा सकती है। लखनऊ पीठ ने सीबीआई और ईडी के अलावा केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) के निदेशक को भी निर्देश दिया था कि वह गांधी के खिलाफ याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर आठ सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। पीठ ने इससे पहले गत 12 मई को मामले की सुनवाई चैंबर में की थी।

पेपर लीक पर अखिलेश का वार : राज खुलने के डर से नहीं दे रहे इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पेपर लीक के कथित मामलों और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र पर हमलावर है। संसद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने में नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसलिए नहीं हो रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके राज़ खुल सकते हैं। पूर्व सीएम यादव ने विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज, आंसू गैस और बिजली के झटकों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही सबका साथ, सबका विकास और अमृत काल है, जहां युवाओं के सिर फोड़े जा रहे हैं? उन्होंने सरकार को पेपर लीक रोकने की सीधी जिम्मेदारी याद दिलाकर कहा कि इतनी बड़ी गड़बड़ी के बाद भी सदन में नारे लगना बेहद शर्मनाक है।

टीएमसी का शहीद दिवस : कोलकाता में ममता की रैली, दिल्ली में बागी सांसदों का प्रदर्शन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस मनाया। यह दिन 1993 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की याद में मनाया जाता है। शहीद दिवस कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक कोलकाता के बिड़ला तारामंडल में जमा हुए। एक समर्थक ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, टीएमसी फिर जीतेगी। मैं दीदी का समर्थन करता हूं। इस मौके पर टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने 1993 की घटना को याद किया, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व में वोटर पहचान पत्र की मांग को लेकर निकाले गए जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और 200 घायल हुए थे। सांसद रॉय ने बताया कि ममता बनर्जी तब से ही घटना की याद में शहीद दिवस मनाती आ रही हैं। हालांकि, इस मौके पर कुछ आलोचकों ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी शहीदों के लिए दुख का दिखावा करती हैं, जबकि उन्होंने मनीष गुप्ता को मंत्री बनाया था, जो उस समय गृह विभाग के प्रधान सचिव थे और उन्हीं के आदेश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोली चली थी। आलोचकों ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद भी मनीष गुप्ता को मंत्री से भी ऊंचा दर्जा दिया गया। साथ ही, सुशांत चटर्जी आयोग की रिपोर्ट को सालों तक दबाने और सार्वजनिक न करने का भी आरोप लगाया गया, जबकि इस घटना के मुख्य साजिशकर्ता को पार्टी में शामिल कर मंत्री बनाया गया। इस बीच एनसीपीआई में शामिल हुए बागी टीएमसी सांसदों ने दिल्ली में राजघाट जाकर इस दिन को याद किया। बागी टीएमसी सांसद और एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने बताया कि वे 1993 की पुलिस फायरिंग में मारे गए 13 निर्दोष युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कहा कि वे अब एनसीपीआई में हैं, इसलिए उन्होंने राजघाट पर शहीदों को याद करने का फैसला किया।

सीजेआई की टिप्पणी न होती तो प्रदर्शन नहीं होता: राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा मई महीने में दी गई विवादित कॉकरोच टिप्पणी से प्रेरित होकर बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक पैदल मार्च निकाला। इस प्रदर्शन का श्रेय राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीजेआई सूर्यकांत को दिया। राउत ने सोशल मीडिया पर सीजेआई का आभार व्यक्त करते हुए लिखा कि इस बड़े आंदोलन का श्रेय केवल एक व्यक्ति को जाता है, जिन्होंने देश की निष्क्रिय जनता में नई ऊर्जा भर दी। हालांकि, छात्रों और कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी वाला यह मार्च आगे चलकर उग्र हो गया, जिसमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस बल के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस हिंसा में विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारियों सहित 118 से अधिक पुलिसकर्मी और करीब 60 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं, जबकि 70 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

यह पूरा मामला मई के मध्य का है, जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ एक वकील से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि कुछ युवा कॉकरोच और परजीवी की तरह होते हैं, जिन्हें जब रोजगार या किसी पेशे में जगह नहीं मिलती, तो वे मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई कार्यकर्ता बनकर व्यवस्था पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी पर हुए भारी विवाद के बाद सीजेआई ने 16 मई को सफाई जारी की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी मंशा देश के युवाओं को निशाना बनाने की बिल्कुल नहीं थी, बल्कि उन्होंने केवल फर्जी डिग्रियों के सहारे वकालत या अन्य पेशों में घुसपैठ करने वाले लोगों के संदर्भ में यह बात कही थी। उन्होंने भारतीय युवाओं को देश के विकास का मजबूत स्तंभ करार दिया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में किसानों का दिल्ली कूच

शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक तरफ जहाँ पेपर लीक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के कारण माहौल गर्म है, वहीं दूसरी तरफ पंजाब से किसानों का बड़ा हुजूम दिल्ली की ओर रवाना हो चुका है। किसान भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते का कड़ा विरोध कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा पुलिस ने किसानों को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने हरियाणा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सरकार किसानों को दिल्ली में महापंचायत करने से रोक रही है और दमनकारी नीति अपना रही है।

किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए पंजाब-हरियाणा सीमा और घग्गर नदी के पुलों पर पुलिस बल की भारी तैनाती कर दी गई है। देश बचाओ मोर्चा के बैनर तले पंजाब के विभिन्न हिस्सों से बसों और अन्य वाहनों में सवार होकर निकले किसान दिल्ली स्थित किसान घाट पहुँचकर एक दिवसीय महापंचायत करना चाहते हैं। फतेहगढ़ साहिब से करीब एक हजार से अधिक किसानों का जत्था सरहिंद होते हुए शंभू बॉर्डर पहुँचा है। किसान नेताओं का कहना है कि शंभू बॉर्डर पर स्थिति का जायजा लेने और परस्पर बातचीत करने के बाद ही आगे के ठोस कदम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

दूसरी ओर, स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए हरियाणा पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी को कुरुक्षेत्र में दिल्ली कूच करने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया। किसानों का दावा है कि राज्य पुलिस बड़े पैमाने पर किसान कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले रही है। किसानों की मुख्य चिंता यह है कि अमेरिका के साथ होने जा रहे इस व्यापार समझौते से देश में कृषि और अन्य विदेशी सामान बेहद सस्ती कीमतों पर आयात होने लगेगा। इससे भारतीय किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल पाएगा, जिसका सीधा और प्रतिकूल असर देश के किसानों तथा खेतिहर मजदूरों पर पड़ेगा। किसानों ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए इस प्रस्तावित व्यापार समझौते को पूरी तरह रद्द करने और देश के आम किसानों तथा मजदूरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चुप्पी तोड़ें और छात्रों से माफी मांगें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना, युवाओं के विरोध का किया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देशभर में युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री इस पूरे मुद्दे पर मौन हैं। राहुल गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, कल जो हुआ, उसके लिए मोदी जी ने माफी तक नहीं मांगी है। युवा शिक्षा और परीक्षा प्रणाली के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पूरा देश जानता है कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को दीमक ने खोखला कर दिया है। प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं? उन्हें छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और यह सब बंद करवाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है तथा लगातार सामने आ रहे विवादों ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उनके अनुसार, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : चंपत भूमिका पर फैसला होगा जल्द, गवाह या सह-आरोपी बनने पर सस्पेंस

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय की भूमिका अब जांच के निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के पूर्व महासचिव चंपत राय के बयान और गवाही को इस पूरे मामले में अभियोजन पक्ष के लिए बेहद मजबूत साक्ष्य माना जा रहा है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जल्द ही यह तय हो जाएगा कि चंपत राय मुकदमे में मुख्य गवाह बनेंगे या फिर सह-आरोपी। हालांकि, अब तक की जांच में उनका पूरा सहयोग रहा है और उनके बयानों के आधार पर ही आरोपियों से पूछताछ की गई है, जिससे उनके मुख्य साक्षी बनने की संभावना अधिक दिखाई दे रही है।

एसआईटी और पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, दानपात्रों के चढ़ावे की गणना के दौरान बाथरूम में कुछ रुपये मिलने के बाद इस चोरी का खुलासा हुआ था। इसके बाद सक्रिय हुए चंपत राय ने संदिग्धों की तलाश की और 5 जून को पुलिस के साथ निकलकर करीब 80 लाख रुपये बरामद करवाए थे। इसके बाद ही एसआईटी का गठन हुआ और ट्रस्टी कृष्णमोहन की शिकायत पर 8 नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यद्यपि शुरुआती स्तर पर मामले को दबाने के प्रयास और चंपत राय द्वारा दी गई सफाई के कारण उनकी भूमिका पर सवाल उठने लगे थे, लेकिन बाद में विवाद बढ़ने पर उन्होंने ही राज्य सरकार से एसआईटी जांच की सिफारिश की थी।

कानूनी दृष्टिकोण से चंपत राय की गवाही इस पूरे मुकदमे की नींव बनेगी। उन्होंने पूछताछ के दौरान एसआईटी और पुलिस को हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया है और सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि यदि वह अदालत में आधिकारिक तौर पर गवाही देते हैं, तो आरोपियों पर दोष सिद्ध करना आसान हो जाएगा और मुकदमा बेहद मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर, यदि वह कानूनी तौर पर गवाही देने से पीछे हटते हैं, तो उन्हें भी इस मामले में सह-आरोपी बनाया जा सकता है। फिलहाल पुलिस और एसआईटी उनकी गवाही के आधार पर ही चार्जशीट को अंतिम रूप देने में जुटी है।

त्रिपुरा डीजीपी की संदिग्ध मौत पर सियासत तेज, विपक्ष ने मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग ढंकर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। विपक्षी माकपा (सीपीआई-एम) ने मामले की मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है।

विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने कहा कि अनुराग ढंकर जैसे मजबूत और अनुभवी अधिकारी के आत्महत्या करने की बात सहज स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों से भाजपा सरकार के दौरान आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर लगातार राजनीतिक दबाव बनाया जाता रहा है, जिससे प्रशासनिक तंत्र में असामान्य स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए न्यायपालिका की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि डीजीपी अनुराग ढंकर का शव मंगलवार को पुलिस मुख्यालय स्थित उनके आधिकारिक कक्ष के वॉशरूम में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और गृह सचिव पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इसके बाद उन्हें तत्काल एजीएमसी एवं जीबीपी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डीजीपी अनुराग ढंकर का निधन अत्यंत दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हालांकि, मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं विपक्ष ने पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है।

अब बिहार के भागलपुर में निकले पिता-पुत्री कोरोना संक्रमित

–दोनों मरीज जेएलएनएमसीएच में भर्ती, संपर्क में आए लोगों की जांच के निर्देश

–आंध्र और महाराष्ट्र के बाद बढ़ी सतर्कता

पटना (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के बाद अब बिहार में भी कोविड-19 ने दस्तक दी है। भागलपुर जिले में 65 वर्षीय एक बुजुर्ग और उनकी 35 वर्षीय बेटी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। दोनों का इलाज जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. एच.पी. दुबे ने सोमवार को बताया कि बुजुर्ग की तबीयत 15 जुलाई से खराब थी। प्रारंभिक उपचार एक निजी क्लिनिक में कराया गया, लेकिन कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जेएलएनएमसीएच रेफर किया गया। रविवार को अस्पताल में भर्ती करने के बाद उनकी आरटी-पीसीआर जांच कराई गई, जिसमें कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू की। जांच के दौरान उनकी 35 वर्षीय बेटी भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई। अस्पताल प्रशासन के अनुसार दोनों मरीजों को अलग वार्ड में भर्ती कर गहन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रही है। अस्पताल अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जानकारी में दूसरे संक्रमित को मरीज की पत्नी बताया गया था, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि वह उनकी बेटी हैं।

भागलपुर जिला प्रशासन ने भी आधिकारिक बयान जारी कर दोनों मामलों की पुष्टि की है। प्रशासन ने जिले में कोरोना संबंधी सभी आवश्यक प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम प्रबंधक को संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी जांच कराने तथा आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जेएलएनएमसीएच के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि दोनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, उपचार और आवश्यक सावधानियां संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित होती हैं। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, सर्दी-खांसी या बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा स्वच्छता और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों का पालन करें।

एसीएमई सोलर ने सेकी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने 300 मेगावाट की अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) से जुड़ी पवन-सौर हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी एसीएमई रिन्यूटेक फिफ्थ प्राइवेट लिमिटेड ने इस परियोजना के लिए सेकी के साथ 25 वर्ष की अवधि का बिजली खरीद समझौता किया है। बयान के अनुसार इस परियोजना के लिए शुल्क को केंद्रीय और राज्य नियामकों से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

रिलायंस का कैंपा कोल्ड ड्रिंक बाजार में छाया, बना तीसरा खिलाड़ी

कई बाजारों में दोहरे अंकों की हिस्सेदारी, कोका-कोला व पेप्सिको को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली ।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) का सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा भारतीय बाजार में तेजी से पैठ बना रहा है। अब यह देश के गैर-मादक रेडी-टू-ड्रिंक (एनएआरटीडी) पेय बाजार की तीसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी बन गई है, जो कोका-कोला और पेप्सिको जैसे स्थापित ब्रांडों को कड़ी चुनौती दे रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अनुसार, जून तिमाही में पेय कारोबार से लगभग 2,900 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो उल्लेखनीय वृद्धि है। कैंपा और इंडिपेंडेंस जैसे ब्रांडों की बदौलत कंपनी ने कई क्षेत्रीय बाजारों में पहले ही दोहरे अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2023 में दोबारा लॉन्च के बाद, कैंपा ने आक्रामक मूल्य निर्धारण, व्यापक वितरण नेटवर्क और उत्पाद विविधता के दम पर तेजी से विस्तार किया है। कंपनी ने कोला के अलावा लेमन, ऑरेंज और एनर्जी ड्रिंक जैसे उत्पादों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया है। बढ़ती मांग के मद्देनजर रिलायंस अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही है और नए बैवरेज प्लांट का एक हिस्सा शुरू कर चुकी है। कंपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भी ध्यान दे रही है, जैसे ऑस्ट्रेलिया में कैंपा कैन का उत्पादन और अफ्रीकी बाजारों में प्रवेश। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह गति बनी रही तो भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में प्रतिस्पर्धा और तेज होगी।

रुपए की तेज गिरावट शेयर बाजार के लिए असली खतरा, स्तर नहीं!

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 96.64 के स्तर पर, इस साल 7 फीसदी कमजोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये पर लगातार दबाव बना हुआ है, जो मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 96.64 के स्तर तक पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों की सतर्कता के चलते इस साल अब तक रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 7 फीसदी कमजोर हो चुका है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या रुपये की यह लगातार कमजोरी भारतीय शेयर बाजार के लिए भी खतरे की घंटी है? एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट इस पर अहम जानकारी देती है। 18 साल के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, शेयर बाजार के लिए रुपये का किसी खास स्तर (जैसे 96 या 100) पर पहुंचना उतनी बड़ी चिंता नहीं है, जितनी उसकी कमजोरी की रफ्तार। रिपोर्ट बताती हैं कि शेयर बाजार रुपये में होने वाली 2 से 3 फीसदी की सामान्य गिरावट को तो आसानी से स्वीकार कर लेता है। लेकिन जब रुपये के कमजोर होने की गति पिछले साल के मुकाबले अचानक तेज हो जाती है, तब बाजार इसे अर्थव्यवस्था में बढ़ते जोखिम का संकेत मानता है और इसका असर शेयरों पर भी दिखाई देता है। रिपोर्ट बताती है कि 2008 में जब रुपये की सालाना गिरावट करीब 7 फीसदी तक पहुंच गई थी (पहले यह 2 फीसदी थी), तब निफ्टी का रिटर्न 20 फीसदी से घटकर सिर्फ 4 फीसदी रह गया था। रिपोर्ट के अनुसार रुपये की तेज गिरावट का असर तीन बड़े रास्तों से शेयर बाजार तक पहुंचता है- कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और चालू खाते का घाटा, विदेशी निवेशकों की निकासी, और आयातित कच्चे माल पर निर्भर कंपनियों की लागत में वृद्धि, जिससे मुनाफे पर दबाव पड़ता है।

100-200 ही नहीं, 50 रुपये के नकली नोट से भी रहें सतर्क

नई दिल्ली ।

अक्सर हम बड़ी खरीदारी में ही नोटों की जांच करते हैं, लेकिन अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 50 रुपये जैसे छोटे नोटों पर भी सतर्क रहने की अपील की है। बाजार में 50 रुपये के नकली नोटों के चलन बढ़ने की खबरों के बीच आरबीआई ने आम जनता के लिए असली नोटों की पहचान करने के कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स साझा किए हैं ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही आपको आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। आरबीआई के अनुसार, लोग अक्सर 50, 20 या 10 रुपये के नोटों को बिना जांचे जेब में रख लेते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। असली 50 रुपये के नोट की पहचान के लिए इन प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान दें-सी-थ्रू फीचर- नोट के नीचे बाईं ओर 50 का एक पारदर्शी अंक होता है, जो रोशनी में रखने पर साफ दिखाई देता है।देवनागरी में 50- नोट पर 50 का अंक हिंदी (देवनागरी लिपि) में भी अंकित होता है।- महात्मा गांधी का चित्र- नोट के बीचों-बीच महात्मा गांधी की स्पष्ट तस्वीर छपी होती है।- गवर्नर के हस्ताक्षर- नोट के दाईं ओर RBI का लोगो, गवर्नर के हस्ताक्षर और भुगतान का वादा (गारंटी क्लॉज) मौजूद होता है। बढ़ते क्रम में सीरियल नंबर- ऊपर बाईं और नीचे दाईं ओर लिखे सीरियल नंबर के अंक छोटे से बड़े आकार में बढ़ते क्रम में होते हैं।अशोक स्तंभ- नोट के नीचे दाईं ओर राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ का प्रतीक बना होता है।रिजर्व बैंक समय-समय पर लोगों से अपील करता है कि वे नकली नोटों के जाल में फंसने से बचने के लिए सुरक्षा फीचर्स की पूरी जानकारी रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि इन फीचर्स को इतनी बारीकी से डिजाइन किया गया हो कि इनकी हूबहू नकल करना नामुमकिन है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.27 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.36 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 100.97 पर रहा।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी, जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके। कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। फिलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक और रिलायंस के शेयरों में रही। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी खराब हालातों को देखते हुए निवेशकों ने भी बाजार से दूरी बनायी हुई है। इसी कारण लगातार दूसरे दिन भी बाजार नीचे आया है। गत दिवस सोमवार को भी बाजार नीचे आया था।

आज दिन भर के कारोबार के बाद कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 238.41 अंक नीचे आकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 50.80 अंक फिसलकर 24,187.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट रही जबकि एसबीआई, रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, पावरग्रिड और ट्रेंट के शेयर भी टूटे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनवर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.95 फीसदी उछाला आया । इसके अलावा इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, कोटक बैंक और मारुति के शेयर भी उछले।

निफ्टी में एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। । ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी केमिकल और निफ्टी सीमेंट में सबसे ज्यादा तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत हुई । सुबह निफ्टी 50 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,241.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, बीएसई सेंसेक्स भी 8.79 अंक चढ़कर 77,717.31 पर पहुंच गया। बाजार में विदेशी पूंजी निकासी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी दबाव बढ़ा।

सैमसंग का गैलेक्सी अनपैक्डः आज तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन से उठेगा पर्दा

मुंबई, ।

तकनीक की दुनिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग आज, 22 जुलाई को, अपना बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करेगी, जिसमें वह पहली बार तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश कर सकती है।

भारतीय समयानुसार यह कार्यक्रम शाम 6-30 बजे लंदन में शुरू होगा और इवेंट पर सबकी निगाहें टिकी हैं। हर साल की तरह इस बार भी कंपनी अपनी नई फोल्डेबल स्मार्टफोन श्रृंखला से पर्दा उठा सकती है, लेकिन इस बार संख्या और विविधता दोनों में कुछ नयापन देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सैमसंग इस बार गैलेक्सी जेड फोल्ड 8, गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा और गैलेक्सी जेड फ्लिप 8 को पेश कर सकता है। माना जा रहा है कि फोल्ड सीरीज़ में पहली बार एक अलग अल्ट्रा मॉडल शामिल किया जाएगा,

जो प्रीमियम अनुभव का वादा करता है। कंपनी ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 की लगभग 28 लाख, जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा की 20 लाख और जेड फ्लिप 8 की करीब 15 लाख यूनिट के उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो उनकी बाजार में अपेक्षित मांग को दर्शाता है।

लीक्स बताते हैं कि गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 में चौड़े पासपोर्ट-स्टाइल फोल्डेबल डिजाइन के साथ 4-3 आस्पेक्ट रेशियो वाली डिस्प्ले मिल सकती है। यह मॉडल अल्ट्रा संस्करण की तुलना में आकार में छोटा हो सकता है और इसके पिछले हिस्से पर तीन की बजाय दो कैमरे दिए जाने की संभावना है।

इससे संकेत मिलता है कि कंपनी एक अपेक्षाकृत किफायती फोल्डेबल स्मार्टफोन भी बाजार में उतार सकती है ताकि अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाई जा सके। हालांकि, इन सभी जानकारियों की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। यह इवेंट सैमसंग की आधिकारिक वेबसाइट, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा

। फोल्डेबल स्मार्टफोन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सैमसंग का यह आयोजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कंपनी अपनी नेतृत्व की स्थिति बनाए रखने के लिए नए इनोवेशन पेश कर रही है। नए स्मार्टफोनों के फीचर्स, कीमत और उपलब्धता से जुड़ी पूरी जानकारी आज शाम गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान ही सामने आएगी।

ईयू का अलीएक्सप्रेस पर शिकंजा- 5,500 करोड़ का रिकॉर्ड जुर्माना

मुंबई ।

यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने चीन की टेक दिग्गज अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीएक्सप्रेस पर 550 मिलियन यूरो (करीब 5,500 करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई प्लेटफॉर्म पर नकली, गैरकानूनी और असुरक्षित उत्पादों की बिक्री रोकने में विफलता के आरोप में की गई है। यूरोपीय अधिकारियों के अनुसार, अलीएक्सप्रेस पर बिक रहे कई उत्पाद यूरोपीय सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का उल्लंघन कर रहे थे। इनमें खिलौने और कॉस्मेटिक जैसे उपभोक्ता उत्पाद शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि नियमों का उल्लंघन करने पर हटाए गए कई उत्पाद दोबारा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो गए और कुछ मामलों में तो ग्राहकों को उनकी सिफारिश भी की गई। यह कार्रवाई मार्च 2024 में शुरू हुई जांच के बाद ईयू के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करना है। यह किसी ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। हालांकि, अलीएक्सप्रेस ने इस फैसले का विरोध करते हुए जुर्माने की राशि को अत्यधिक बताया है और कानूनी विकल्पों का उपयोग करने का संकेत दिया है। ईयू ने कंपनी को 20 अक्टूबर तक जुर्माने का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यूरोप, अलीएक्सप्रेस का सबसे बड़ा बाजार है, जहां उसके लगभग 19.3 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

कोर्ट ने दोनों कंपनियों को दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया

वाशिंगटन ।

हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी।

जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके।

कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। राज्यों ने पहले दोनों कंपनियों से अदालत के फैसले तक डील को टालने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके इनकार के बाद ही कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

फलहाल यह रोक दो सप्ताह के लिए प्रभावी है। इस अवधि में अदालत मामले की अगली सुनवाई करेगी। यदि कोर्ट को राज्यों की दलीलें मजबूत लगीं, तो वह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी कर सकता है, जिससे इस मेगा डील पर लंबे समय के लिए रोक लग सकती है।

अमेरिका का कनाडा पर व्यापारिक वार, अधिकांश आयात पर 50 फीसदी शुल्क

आर्थिक अनिश्चितता और दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाली अधिकतर वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दोनों देशों के व्यापार संबंधों में नया तनाव पैदा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कनाडा पर अमेरिकी वाहनों, मादक पेय और डेयरी उत्पादों के साथ अनुचित भेदभाव करने का आरोप लगाया है। इस कदम से आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने और मुद्रास्फीति में वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि चीन के अलावा कनाडा उन चुनिंदा देशों में से एक है जिसने ट्रंप द्वारा लगाए गए पिछले शुल्कों के जवाब में प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की थी, और उसे अब इसके लिए जवाबदेह ठहराया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 1930 के व्यापार अधिनियम की धारा 338 के तहत इन शुल्कों को लागू करने के लिए तीन घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष कई डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस धारा को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा था, उनका तर्क था कि राष्ट्रपति इसका उपयोग अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए कर सकते हैं। नए 50 प्रतिशत शुल्क के दायरे से ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और महत्वपूर्ण खनिजों को बाहर रखा गया है। हालांकि, इसमें वे वस्तुएं शामिल होंगी जिन्हें पहले अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) के तहत आयात शुल्क से छूट प्राप्त थी।

वर्ष 2020 में लागू हुए इस व्यापार समझौते की समीक्षा और नए सिरे से वार्ता शुरू हुई है, जो 2036 तक इसकी अवधि बढ़ाने की दिशा तय कर सकती है। व्हाइट हाउस के तथ्य पत्रक के अनुसार, ये शुल्क 30 दिन बाद प्रभावी होंगे।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर की एनएसई पर धमाकेदार लिस्टिंग

निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का फायदा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंटके शेयरों ने मंगलवार को शेयर बाजारों में जोरदार एंट्री ली है। कंपनी के शेयर एनएसई पर 613.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का शानदार लिस्टिंग गेन मिला। बीएसई पर भी शेयर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 574 रुपए से ऊपर रहा। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद हुआ था। इसका प्राइस बैंड 545 से 574 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। निवेशकों ने इस इश्यू में जबरदस्त रुचि दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप यह समग्र रूप से 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में इसे 140.11 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 22.51 गुना बोलियां मिलीं, जबकि खुदरा निवेशकों ने भी 3.76 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसका अर्थ है कि आईपीओ से जुटाया गया पैसा कंपनी के बजाय प्रमोटरों, एसबीआई और अमुंडी के पास गया।एसबीआई ने इस आईपीओ के माध्यम से 9,95,01,649 शेयर बेचे, वहीं अमुंडी इंडिया होल्डिंग ने 7,14,54,982 शेयर बेचे। इस सौदे के बाद अब कंपनी में एसबीआई की हिस्सेदारी 60.32 फीसदी और अमुंडी की हिस्सेदारी 36.06 फीसदी रह गई है। बड़े निवेशकों ने भी इस आईपीओ में अपनी दिलचस्पी दिखाई। एसबीआई फंड्स ने एंकर निवेशकों से 2,662.96 करोड़ रुपए जुटाए थे।ब्लैकरॉक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सॉक्स और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे 129 दिग्गज संस्थानों ने एंकर बुक के तहत शेयर खरीदे थे। वर्ष 1987 में स्थापित, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड तिमाही औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तक कंपनी के पास म्यूचुअल फंड में 12.51 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति थी और इसका मार्केट शेयर 15.3 फीसदी था।

रियल एस्टेट में वाराणसी ने लखनऊ-नोएडा को पछाड़ा

वीडीए लाएगा 500 एकड़ की मेगा टाउनशिप

वाराणसी ।

रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों में वाराणसी ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ और नोएडा को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र और काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास ने यहां संपत्ति की कीमतें आसमान पर पहुंचा दी हैं। बेहतर कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन के कारण देशभर से लोग अब काशी में घर बनाना चाहते हैं। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने अब कई नई टाउनशिप परियोजनाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। वीडीए ने लैंड पूलिंग नीति के तहत 60 एकड़ से अधिक भूमि जुटाई है, जिसके बाद कल्लीपुर में आनंद काशी, मढ़नी में रुद्र विहार और गंजारी में स्पोर्ट्स सिटी जैसी 500 एकड़ से अधिक में फैली तीन बड़ी टाउनशिप विकसित की जा रही हैं। ये परियोजनाएं मुख्य शहर की भीड़भाड़ कम कर सुनियोजित विकास और काशी की विरासत को आधुनिकता से जोड़ने का लक्ष्य रखती हैं।

नीति आयोग ने काशी-विंध्य क्षेत्र में काशी थीम व वैदिक नामों पर आधारित 10 नई टाउनशिप का सुझाव दिया है।

वीडीए की पहली टाउनशिप आनंद काशी में अगस्त अंत या सितंबर तक बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त वीडीए कारोबार और संस्थानों के लिए एरोसिटी और मेडिसिटी की भी योजना बना रहा है, जिन्हें क्षेत्रीय आर्थिक मास्टर प्लान से जोड़ा जाएगा। हालांकि, वाराणसी अब यूपी के सबसे महंगे शहरों में शुमार है, इसलिए वीडीए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी के लिए आवास के विचार पर भी काम कर रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
22 जुलाई 2026

पत्रकारिता में कॅरियर की इंद्रधनुषी सम्भावनाएं

भारत में विकास तथा गवर्नेंस का क्षेत्र हाल ही में एक नया उदाहरण बना है, जिसका मुख्य आधार नई नीतिगत अर्थ व्यवस्था, परिवर्तित व्यवसाय, परिवेश और ज्ञान की शक्ति का सर्वस्वीकृत होना है। नए हालातों में पत्रकारिता की प्रासंगिकता व्यापक रूप से बढ़ गई है। आज लोकतंत्र का यह चौथा स्तम्भ अपने महत्व और विस्तार के मद्देनजर केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के बढ़ रहे महत्व को देखते हुए,कई मीडिया संस्थाएं, शैक्षिक संस्थाएं और इलेक्ट्रॉनिक चैनल स्थापित किए गए हैं।

दरअसल मीडिया आज समाज तथा शासन का वास्तविक दर्पण बन गया है। इसे लोक शिक्षक के रूप में देखा है। मीडिया जन-साधारण की समस्याओं को उजागर करने,उनकी आवाज़ बुलंद करने तथा उन्हें न्याय दिलाने का एक प्रभावी साधन यानी मंच बन गया है। लिहाज़ा, कोई आश्चर्य नहीं कि कॅरियर की दृष्टि भी पत्रकारिता का क्षेत्र पहले से ज्यादा विस्तृत और आकर्षक बन गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सफल करियर के रूप में किसी भी व्यक्ति को जिज्ञासु,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला, सूचना को वास्तविक, संक्षिप्त तथा प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की अभिरुचि रखने वाला, किसी के विचारों को सुव्यवस्थित करने तथा उन्हें भाषा तथा लिखित-दोनों रूपों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में कुशल होना चाहिए। दबाव में कार्य करने के दौरान भी नम्र एवं शांत चित्त बने रहना एक अतिरिक्त योग्यता होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों से व्यक्तियों का साक्षात्कार लेते समय पत्रकार को व्यावहारिक, आत्मविश्वासपूर्ण तथा सुनियोजित रहना चाहिए। उसे प्रासंगिक तथ्यों को अप्रासंगिक तथ्यों से अलग करने में सक्षम होना चाहिए। अनुसंधान तथा सूचना की व्याख्या करने के लिए विश्लेषण कुशलता होनी चाहिए।

बदलते परिवेश ने वैसे देखा जाय तो प्राय-प्रत्येक करियर की संभावनाओं में आमूल परिवर्तन कर दिया है। इस लिहाज़ से पत्रकारिता एक प्रतिष्ठित व्यवसाय है और कुछ मामलों में एक उच्च वेतन देने वाला व्यवसाय है,जो युवाओं की बड़ी संख्या को आकर्षित कर रहा है। इससे कौन इंकार कर सकता है कि किसी भी राष्ट्र के विकास में पत्रकारिता अहम भूमिका निभाती है। इसमें आजकल नागरिकों की सीधी भागीदारी की मांग बढ़ती है।यह वह साधन है, जिसके माध्यम से हमें समाज की दैनिक घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त होती है। वास्तव में पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को सूचना देना, समझाना, शिक्षा देना और उन्हें प्रबुद्ध करना है।

कलम तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली है, इसे आज की पत्रकारिता ने सिद्ध कर दिखाया है। अब सिर्फ खबर देना पत्रकारिता नहीं है। घटनाओं की मात्र साधारण रिपोर्ट देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रिपोर्टिंग में अधिक विस्तार, स्पष्टता , विशेषज्ञता और व्यावसायिकता होना आवश्यक है। यही कारण है कि पत्रकार अपनी योग्यता प्रमाणित करने के लिए समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं के लिए राजनीति शास्त्र,वित्त,अर्थशास्त्र,कला, संस्कृति एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों के अलावा अनगिन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं। घटनाओं और चीज़ों पर पकड़ के अलावा इसे भाषा पर भी अधिकार हासिल करना होता है।

अब एक करियर के रूप में अगर देखें तो तीन ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जिनमें पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति रोजगार ढूंढ़ सकते हैं-

शिक्षण एवं अनुसंधान
प्रिंट पत्रकारिता
इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य/दृश्य) पत्रकारिता।

शिक्षण एवं अनुसंधान-उच्च शिक्षा, पत्रकारों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, किंतु अनुसंधान भी पत्रकारिता में एक सामान्य करियर विकल्प है। पत्रकारिता में उच्च शिक्षा और पी.एचडी. उपाधि धारक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रोजगार तलाशते हैं। कई अध्यापन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलाप अपेक्षित होते हैं। यद्यपि यह निश्चित तौर पर सत्य है कि पुस्तकों अथवा लेखों को प्रकाशित करना कार्य - सुरक्षा तथा पदोन्नति का मुख्य मार्ग है और अधिकांश विश्वविद्यालयों में वेतन वृद्धि होती है, यह अपेक्षा ऐसी स्थापनाओं में अधिक लागू होती है जहां मूल छात्रवृत्ति को महत्व तथा समर्थन दिया जाता है। तथापि कई संस्थाएं उन्नति के एक प्रारंभिक मार्ग के रूप में अनुसंधान अथवा अध्यापन पर अधिक बल देती है।

इसके परिणामस्वरूप यद्यपि कुछ व्यवसायों में पत्रकारिता में कोई डिग्री विशेष रूप से अपेक्षित होती है, तथापि, ऐसा शैक्षिक प्रशिक्षण विविध प्रकार के व्यवसायों में जाने की एक महत्वपूर्ण योग्यता हो सकती है। पत्रकारिता में कला-स्नातक या मास्टर ऑफ आर्टस अथवा अनुसंधान (पीएच.डी.) डिग्रियों के लिए, गैर-लाभ भोगी क्षेत्र में, कोई विश्वविद्यालय, कोई संस्थान कोई व्यावसायिक या मीडिया फर्म रोजगार का क्षेत्र हो सकती है।

प्रिंट पत्रकारिता- प्रिंट पत्रकारिता समाचार पत्रों पत्रिकाओं तथा दैनिक पत्रों के

लिए समाचारों को एकत्र करने एवं उनके सम्पादन से संबद्ध हैं। समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं, वे बड़ी हों या छोटी, हमेशा विश्वभर में समाचारों तथा सूचना का मुख्य स्रोत रही हैं और लाखों व्यक्ति उन्हें प्रतिदिन पढ़ते हैं। कई वर्षों से प्रिंट पत्रकारिता बड़े परिवर्तन की साक्षी रही है। आज समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं विविध विशेषज्ञतापूर्ण वर्गों जैसे राजनीतिक घटनाओं व्यवसाय समाचारों, सिनेमा, खेल, स्वास्थ्य तथा कई अन्य विषयों पर समाचार प्रकाशित करते हैं, जिनके लिए व्यावसायिक रूप से योग्य पत्रकारों की मांग होती है। प्रिंट पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति सम्पादक, संवाददाता, रिपोर्टर, आदि के रूप में कार्य कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विशेष रूप से प्रसारण के माध्यम से जन-समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव है। दूरदर्शन, रेडियो, श्रव्य, दृश्य (ऑडियो, वीडियो) और वेब जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूर -दराज के स्थानों में समाचार, मनोरंजन एवं सूचनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। वेब में, कुशल व्यक्तियों को वेब समाचार पत्रों (जो केवल वेब की पूर्ति करते हैं और इनमें प्रिंट संस्करण नहीं होते और लोक प्रिय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को जिनके अपने वेब संस्करण होते हैं, साइट रखनी होती है। इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति रिपोर्टर, लेखक, सम्पादक, अनुसंधानकर्ता, संवाददाता और एंकर बन सकता है।

शिक्षा- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान चलाने वाले कई विश्वविद्यालय तथा संस्थान हैं, उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
मुद्रा संचार संस्थान
सिम्बियोसिस पत्रकारिता एवं संचार संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय,रायपुर

अवसर

पत्रकारिता में कोई पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, कोई भी व्यक्ति किसी मीडिया अनुसंधान संस्थान या किसी सरकारी संगठन में एक अनुसंधान वैज्ञानिक बन सकता है। अनुसंधान कार्य के दौरान भी कोई व्यक्ति अन्य अनुदानों तथा सुविधाओं के अतिरिक्त, मासिक वृत्तिका प्राप्त कर सकता है। कोई भी व्यक्ति किसी समाचारपत्र में या इलेक्ट्रॉनिक चैनल में एक पत्रकार के रूप में कार्यग्रहण कर सकता है और अच्छा वेतन अर्जित कर सकता है। प्रेस अधिकारी के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध कर सकता है।

स्वरोजगार

टॉय डिजाइनिंग ढेरों संभावनाएं

खिलौने सभी बच्चों को बेहद पसंद होते हैं। ये सिर्फ खेलने के नजरिए से नहीं, बल्कि उनके मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। वैसे भी आजकल बाजार में इतने नए-नए खिलौने आ गए हैं कि कई बार लेने से पहले सोचना पड़ता है। कहते हैं अपने अंदर का बच्चा कभी न मरने दें और खिलौनों की दुनिया का यह नया स्वरूप खिलौने के निर्माण में कॅरियर की भी ढेरों संभावनाएं पैदा करता है। टॉय डिजाइनर का काम खिलौनों से बच्चों का मनोरंजन तो हो ही, साथ ही, ऐसे खिलौने बनाना भी है जिनसे बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा भी मिले। टॉय डिजाइनिंग में दो चीजें हैं - एक क्रिएटिविटी और दूसरा बच्चों की क्षमता को समझना, जिससे बच्चे खेलें भी और उन्हें नई चीजें सीखने का मौका भी मिले। खिलौने भी दो प्रकार के होते हैं - एक जिनसे बच्चे कुछ सीखते हैं और जिसे परिवार के साथ भी खेला जा सकता है, दूसरा सिर्फ मौज-मस्ती के लिए। पुराने समय में खिलौने प्राकृतिक चीजों से बनते थे जैसे-लकड़ी, पत्थर या मिट्टी लेकिन आजकल यह प्लास्टिक, फर और अन्य कृत्रिम पदार्थ। टॉय डिजाइनर खिलौनों को डिजाइन करते हैं और फिर बनाते हैं। उनका काम शुरू होता है ड्रॉइंग, स्केचिंग या कंप्यूटर से मॉडल तैयार करने से, फिर यह तय करना कि खिलौने का हर हिस्सा कैसे बनना है और फिर उसका एक नमूना तैयार करना। खिलौनों को बाजार में दो प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए रखा जाता है - एक तो बच्चे जो उनसे खेलते हैं और दूसरे उन ग्राहकों के लिए जो खिलौने एकत्रित करते हैं। गुड़िया से लेकर मैकेनिकल सेट, टॉय डिजाइनर, बोर्ड गेम्स, पजल्स, कम्प्यूटर गेम्स, स्टफड एनिमल्स, रिमोट कंट्रोल कार, नवजात शिशु के लिए खिलौने आदि बनाते हैं। आजकल के दौर के हिसाब से खिलौने बनाने के लिए डिजाइनर को न केवल बाजार के ट्रेंड से अवगत रहना चाहिए बल्कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की जरूरतों को भी पता होना चाहिए। इस कॅरियर में ग्राफिक डिजाइन, मैकेनिकल ड्रॉइंग और कलर के चुनाव की जानकारी हो तो अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। टॉय डिजाइनर बच्चों के विशेषज्ञ के साथ काम करते हैं जिससे उन्हें हर आयु के बच्चों की जरूरत का पता चलता है। उनकी सफलता अच्छे, मनोरंजक, कल्पनाशील और सुरक्षित खिलौने बनाने पर निर्भर

करती है।

इस कॅरियर के लिए व्यापार और प्रबंधन क्षमता होना जरूरी है। इस कॅरियर में विशिष्ट कोर्स कम हैं लेकिन ग्राफिक डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन या कार्टूनिंग की जानकारी के साथ काम किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर की जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग में अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक, विशेषज्ञ, साइकोलॉजिस्ट, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट भी टॉय डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इंजीनियरिंग का ज्ञान तकनीक द्वारा निर्मित खिलौने के लिए होना जरूरी है। शिक्षक, विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक हर आयु के बच्चों की जरूरतें आसानी से समझ सकते हैं इसलिए परामर्शदाता के तौर पर वह इस क्षेत्र में पैर जमाने में सक्षम हैं। कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट खिलौनों की सॉफ्टवेयर संबंधित कार्यात्मकता प्रदान कर सकते हैं। कुछ टॉय डिजाइनर एजुकेशनल खिलौनों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, कुछ सामान्य खिलौनों में या फिर कोई विशिष्ट क्षेत्र में कोर्स कर सकते हैं जैसे- मॉडल मेकिंग, बोर्ड गेम्स, सॉफ्ट टॉय या पुराने खिलौनों की प्रतिकृति आदि। आजकल पालतू जानवरों के लिए खिलौने बनाना भी बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। टॉय डिजाइनर अगर चाहें तो किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से खिलौने भी बना सकते हैं। अगर चाहें तो अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। टॉय डिजाइन पर किताब लिख सकते हैं या किसी इंस्टिट्यूट में बतौर शिक्षक भी नौकरी की जा सकती है। इसके अलावा, बतौर इंटीरियर डिजाइनर बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल थीम बेस्ड टॉय का इस्तेमाल करके डिजाइन कर सकते हैं। टॉय डिजाइन कंस्लटेंट या इसमें फ्रीलांसिंग भी की जा सकती है। एक बार डिजाइनर के तौर पर अपने आपको स्थापित करने के बाद अवसरों और आय की कमी नहीं होगी। लेकिन इस कॅरियर में सफलता आपकी रचनात्मकता पर निर्भर करती है।

हंसो, हंसाओ लाइफ बनाओ

जिंदगी में दुख और तकलीफें कम नहीं, ऐसे में हंसने का मौका मिल जाए तो क्या कहने! यही वजह है कि हंसी के गुब्बारे छोड़ते लोग टीवी, रेडियो और फिल्में में खूब दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि हंसाना आसान काम नहीं है, लेकिन यदि आपमें वह हुनर है कि आप रोते को भी हंसा दें तो फिर देर किस बात की, बना डालिए हंसी के क्षेत्र में करियर और कमा लीजिए ढेर सारा प्यार और रुपये। जी हां, कभी लोगों के चेहरे से दूर रहने वाली हंसी अब हर टीवी चैनल, रेडियो स्टेशन और फिल्मों में दिखने लगी है। यही वजह है कि इस समय हंसी के क्षेत्र में करियर बनाने के कई विकल्प हैं।

अपने शब्दों के साथ ही अपने चेहरे के हाव-भाव को कुछ डिफरेंट बना सकते हैं कि सामने वाला पेट पकड़े बिना न रह पाए तो मिमिक्री, आरजे, वीजे, टीवी धारावाहिक, स्टेज शो, एंकरिंग, थिएटर, फिल्म, स्क्रिप्ट लेखन, कवि गोष्ठी किसी क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। इस समय इस क्षेत्र से संबंधित कई इंस्टीट्यूट कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं, लेकिन ध्यान रखिए कि किसी भी इंस्टीट्यूट में वह माद्दा नहीं है जो आपको इसमें पारंगत बना दे। इसे खुद ही निखारा जा सकता है, खूब सारी प्रैक्टिस करके। हंसी के क्षेत्र में बढ़ती करियर की संभावनाओं के बारे में पढ़िये इस लेख में-

स्टैंडअप कॉमेडियन

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस जैसे टीवी शोज के जरिए स्टैंडअप कॉमेडियन को न सिर्फ इज्जत मिलने लगी है, बल्कि ये कमाई का बेहतरीन जरिया भी बन चुके हैं। आप जितना अधिक खुद पर हंस सकते हैं, दूसरों पर बिना प्रहार किए उन्हें हंसी का केंद्र बना सकते हैं, आप उतनी ही जल्दी प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच सकते हैं। क्या कभी आप अपने दोस्तों के बीच खड़े होकर उन्हें पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर चुके हैं, यदि आपका जवाब हां में है तो आपमें स्टैंडअप कॉमेडियन बनने की काबिलियत है। इसके जरिए आप शुरुआत में दस हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। प्रसिद्धि पाने के बाद तो यह कीमत एक लाख रुपये तक जा सकती है। इसके लिए क्रिएटिव राइटिंग या मीडिया से संबंधित कोई कोर्स सहायक हो सकता है। जरूरी है कि आपमें बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी पर्सनालिटी, निरंतरता जैसी खूबियां हों।

रेडियो जॉकी

इन दिनों रेडियो स्टेशनों पर आरजे श्रोताओं को हंसाते हुए नजर आते हैं। बातचीत चाहे फिल्मों की हो या राजनीति की, इनकी बातों में हंसी का पुट खूब रहता है। एक हंसोड़ आरजे बनने के लिए आपमें सेंस ऑफ ह्यूमर, निरंतरता, बेहतरीन आवाज, कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इन गुणों के अलावा पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, जेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन ट्रेनिंग प्रदान करता है। आरजे खुरापाती नितिन के सभी श्रोता इसलिए फैन हैं, क्योंकि वह अपनी बातों से खूब हंसाते हैं।

वीडियो जॉकी

वीजे का काम भी काफी हद तक आरजे से मिलता है। बस यहां खुशनुमा व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। व्यक्तित्व ऐसा हो, जिसे देखते दर्शकों को अच्छा महसूस हो। साथ में फटाफट जवाब देने की कुशलता का होना आवश्यक है। वीजे सायरस ब्रोचा ऐसे ही हैं, जो अपनी वीजेइंग में कॉमेडी का पुट ऐसा जोड़ते हैं कि दर्शक हंसे बिना रह ही नहीं पाते।

एंकर

एंकर बनने के लिए सबसे पहली खूबी तो यह होनी चाहिए कि भीड़ में आपका आत्मविश्वास खुलकर दिखे। आप जब बोलें तो लोग आपको ध्यान से सुनें। जरूरी तो यह भी है कि आपकी पर्सनालिटी खुशनुमा हो, आवाज साफ और खुली होने के साथ शब्दों का उच्चारण सही करना आता हो। साजिद खान, अली असगर, पूरबी जोशी जैसे एंकर इसलिए हिट हैं, क्योंकि उनमें ये सारी खूबियां हैं।

स्क्रिप्ट राइटर

टीवी चैनलों पर बढ़ते हास्य धारावाहिकों या कॉमेडी के शोज को देखते हुए भारी मांग बढ़ी है स्क्रिप्ट लेखकों की। कई बड़े और नामी कॉमेडी आर्टिस्ट समय की कमी के कारण खुद के लिए स्क्रिप्ट लिखवाते हैं। तो हास्य धारावाहिकों में भी स्क्रिप्ट लेखक की आवश्यकता पड़ती है, जो दर्शकों को खुद की लिखी लाइनें सुनते ही हंसने पर मजबूर कर दे। यही मांग कॉमेडी फिल्मों और रेडियो के लिए भी है। इस हुनर को सीखा नहीं जा सकता, यह व्यक्ति के अंदर होता है। हां, इसे निखारा जरूर जा सकता है। सही लेखन के लिए मास कम्यूनिकेशन का कोर्स किया जा सकता है। शुरुआत में थोड़ा संघर्ष हो सकता है, लेकिन बाद में प्रति माह चालीस-पचास हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते हैं।

हंसने-हंसाने के क्षेत्र में इस समय करियर की संभावनाएं बेहतरीन हैं। चाहें तो लाइव शोज में एंकरिंग कर लें, स्टैंडअप कॉमेडियन बन जाएं या लिखना शुरू कर दें। बस जरूरत है थोड़ी ग्रूमिंग की और स्टेज प्रेजेंस तगड़ा (लेखन छोड़कर) बनाने की। इसके लिए जरूरत है प्रेजेंस ऑफ माइंड बढिया हो। इसके साथ ही एक्सट्रोवर्ट होना चाहिये। जनरल अवेयरनेस, अच्छी मेमोरी, ग्रहण करने की बेहतर क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल,सेंस ऑफ ह्यूमर अन्य जरूरी गुण हैं। इन खूबियों को ऐसे लोगों के साथ रहकर ग्रूम भी किया जा सकता है। इसके बाद स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, स्टैंडअप कॉमेडियन, रेडियो जॉकी, वीडियो जॉकी, लाइव शो प्रेजेंटर में से कोई भी विकल्प चुना जा सकता है।

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता

–बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकर्ताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरु हो गयी है।

शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकर्ताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है ?

इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं। शुभमन का मानना है कि अनफिट खिलाड़ियों के चयन के कारण ही टीम सीरीज में हारी है।

सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी दौरे से पहले ही चोटित होने के कारण बाहर हो गये। वहीं एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत होते ही हर्षित राणा और उसके बाद वाशिंगटन सुंदर व अंत में जसप्रीत बुमराह भी फिटनेस से जुड़े मामलों के कारण पूरी सीरीज नहीं खेल पाये। लगातार चोटिल हो रहे खिलाड़ियों के कारण टीम इंडिया का संयोजन बुरी तरह से डगमगा गया जिससे उसे अपनी रणनीति में लगातार बदलाव करना पड़ा।

सिराज अब पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब पुलिस की वर्दी में नजर आये हैं। वह खेल से मिली छुट्टी का उपयोग अपनी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी निभाकर कर रहे हैं। सिराज को उनके शानदार प्रदर्शन के कारण तेलंगाना पुलिस में डीएसपी का पद मिला है। इसी जिम्मेदारी को निभाने वह राज्य के पुलिस महानिदेशक सी वी आनंद से मिले। इस मुलाकात के दौरान सिराज ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय क्रिकेट टीम की एक जर्सी भी भेंट की, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। यह घटना न केवल उनके दोहरे व्यक्तित्व को दर्शाती है, बल्कि एक राष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी उजागर करती है। जिसके तहत वह पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करने मैदान में उतरे हैं। तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में उनकी उपस्थिति राज्य पुलिस बल के लिए भी गर्व का विषय है और निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को खेल के साथ-साथ नागरिक सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। टीम इंडिया से मिली छुट्टी के बावजूद सिराज घर में खाली नहीं बैठे, बल्कि उन्होंने अपनी पुलिस विभाग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी। सिराज का एक तरफ देश के लिए क्रिकेट खेलना और दूसरी तरफ तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के तौर पर अपनी सेवाएं देना, निश्चित रूप से देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला थ। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं जडेजा और बुमराह

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सुंदर को नहीं मिलेगी जगह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर सकता है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम 4 अगस्त को श्रीलंका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया एक चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को हालातों के अनुरुप ढ़लने का अवसर मिल जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस टेस्ट सीरीज से टीम में वापसी की पूरी उम्मीदें हैं। जडेजा को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में टीम में शामिल नहीं किया गया था, जबकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण लंबे समय से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। टीम चयन के दौरान कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी नजरें रहेगी। वहीं स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर दूसरे मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। ऐसे में उन्हें शामिल किये जाने क सवाल ही नहीं है। चयनकर्ता तो हर्ष दुबे को टीमें बनाये रख सकते हैं या फिर स्पिन आक्रमण को मजूबत करने के लिए ऑफ-स्पिनर सारांश जैन को अवसर दे सकते हैं। इसके अलावा उभरते हुए गेंदबाज मानव सुथार के अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को भी टीम में बरकरार रखे जाने की संभावना है।

वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में बरकरार रहना तय है। दूसरी ओर बल्लेबाजी क्रम में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को देखते हुए बेहद अहम है। भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ दोनो मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति में सुधार करना रहेगा।

मेसी बोले, हार से उबरने में लगेगा लंबा समय

रियो डि जिनेरियो । अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप फुटबॉल फाइनल में मिली बाहर के बाद से ही सदमे में हैं। खिताबी मुकाबले में स्पेन के हाथों मिली हार से उनका लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया है। मेसी का कहना है कि इस बड़े झटके से उबरने में उन्हें लंबा समय लगेगा। इस टूर्नामेंट में मेसी ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था पर खिताबी मुकाबले में वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पाये। वहीं स्पेन ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मेसी के अनुसार, यह दर्द इतना गहरा है कि इसे भरने में वाकई लंबा समय लगेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दर्द

बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा पर मैं उन सभी अच्छी यादों को भी संजोकर रखूंगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में उन मैचों का जिक्र किया जिन्हें टीम ने अपनी पूरी ताकत लगाकर जीता था और सफलता के उन यादगार पलों को भी याद किया जो हमेशा टीम के साथ रहेंगे। मेसी ने पूरे देश के समर्थन के लिए भी आभार जताया है, जिसने टीम की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सराहा है। गौरतलब है कि मेसी का 2030 में होने वाले अगले विश्व कप में खेलने की संभावना नहीं है हालांकि उन्होंने अभी तक अपने संन्यास को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने घोषित की टीम

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसी सीरीज से नियमित कप्तान पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और नाथन लियोन की भी वापसी होगी। इन सभी की वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी मजबूत होगी। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण ही ये चारों गेंदबाज बहुत कम अवसरों पर ही एक साथ खेल पाए थे। इससे पहले ये सभी आईपीएल में नजर आये थे। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने इन गेंदबाजों की वापसी पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। बेली ने कहा, हम अभी से अंतिम ग्यारह को तय नहीं कर रहे हैं पर हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए हमारे पास एक बेहद मजबूत टीम है। मुझे पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

स्वदेश पहुंची स्पेन टीम का भव्य स्वागत, विक्ट्री परेड में उमड़े प्रशंसक

मैड्रिड । फीफा विश्वकप फुटबॉल खिताब जीतकर स्वदेश लौटी स्पेन टीम का जबरदस्त स्वागत हुआ है। टीम की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम के खिलाड़ियों और उसके कोचिंग स्टाफ ने मैड्रिड पहुंचने पर शाही परिवार और फिर प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से मुलाकात की। सांचेज ने कहा, ''आपके खेल की शानदार शैली, बेहतरीन प्रयास और जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। हमें आपको खेलते हुए देखकर वाकई बहुत आनंद आया।'' इसके बाद पूरी टीम एक खुली छत वाली बस में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के लिए मैड्रिड की सड़कों पर निकल गई। इस बस पर लिखा था ''सितारे एक साथ चमकते हैं'' और उस पर खिलाड़ियों की तस्वीरें भी लगी हुई थीं।

खिलाड़ियों के हाथों में विश्व कप ट्रॉफी थी और उन्होंने जो शर्ट पहन रखी थी उस पर स्पेनिश में लिखा था 'सोमोस कैम्पियोनेस' यानी 'हम चैंपियन हैं।' खिलाड़ी पूरी परेड के दौरान नाचते-गाते और प्रशंसकों से बातचीत करते रहे। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने परेड शुरू होने से पहले कहा, ''ऐसे जोशीले और समर्पित प्रशंसकों वाले एक अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करना भावनात्मक और गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। हम बहुत उत्साहित हैं।'' यह परेड प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास मोनक्लोआ पैलेस के पास से शुरू हुई और मैड्रिड की सड़कों से होते हुए सिबेल्स स्क्वायर तक गई, जहां उन्होंने एक स्वागत समारोह हमें हिस्सा लिया और अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इसमें एक लाख से अधिक लोग थे।

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

–सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यश्स्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र और फॉर्म को लेकर बाहरी चर्चाएँ तो होती रहेंगी पर प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों

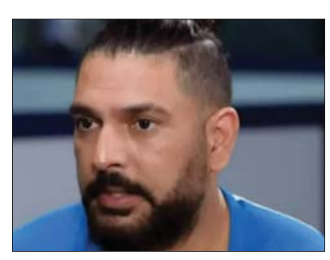

के साथ आंतरिक स्थिति बिल्कुल स्पष्ट रखनी चाहिए। युवराज ने ईमानदारी की वकालत करते हुए कहा, और अगर कोई आपकी योजनाओं में नहीं है, तो उनसे ईमानदारी से बात करें। यह एक मुश्किल फैसला होगा, बाहर से शायद यह बुरा लगे, लेकिन वे इस बात की तारीफ करेंगे कि आपने उनसे सीधे बात की। उनका मानना है कि इस तरह की स्पष्ट और सीधी बातचीत खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें अपने भविष्य के बारे में फैसला लेने में मदद करती है, जो अंततः टीम के हित में ही होता है।

अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता । कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकॉर्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, 卐याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे

साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके।卐 एक रिपोर्ट के अनुसार पोरेल ने कथित तौर पर जनवरी 2023 में शिकायतकर्ता से संपर्क किया था, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। 23 साल के क्रिकेटर पर आरोप है कि जब उनके माता-पिता बाहर थे तब वह महिला को मनकुंडू स्थित अपने फ्लैट पर ले गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पोरेल ने उनके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए हालांकि, बाद में दोनों के परिवारों ने शादी पर चर्चा की थी, लेकिन बाद में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसे पता चला कि पोरेल के अन्य महिलाओं के साथ भी शारीरिक संबंध थे।

न्यूजीलैंड के स्मिथ ने जीता जून माह का आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के जून माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ मिला है। स्मिथ को ये अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। इस सीरीज में कीवी टीम ने 2-1 से जीत हासिल की थी। अवार्ड की दौड़ में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर थमोसाद्देक हुसैन भी थे। स्मिथ ने इंग्लैंड दौरे पर खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी सधी हुई गेंदबाज से मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। उन्होंने 23 के शानदार औसत से 16 विकेट लिए। ये सीरीज में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे अधिक विकेट थे। अवार्ड हासिल करने के बाद स्मिथ ने एक बयान में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह वाकई बहुत विशेष है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। स्मिथ ने आगे कहा कि वह आमतौर पर व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए नहीं खेलते हैं, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा हहै। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे। इस घटना के लिटन ने बीसीबी को अपना जवाब दे दिया है। माना बीसीसबी की मेडिकल कमेटी लिटन दास के दावों और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इस जांच रिपोर्ट के आने के बाद ही बोर्ड यह तय करेगा कि उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी या नहीं।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले।

आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके।

अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

अश्विन ने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी देशों को बराबर अवसर मिलेंगे, तो क्रिकेट का स्तर और लोकप्रियता दोनों बढ़ेंगे। उनका मानना है कि सामूहिक विकास ही इस खेल को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर और अधिक आकर्षक बना सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में क्रिकेट की सफलता केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या अन्य बड़ी टीमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नए देशों को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

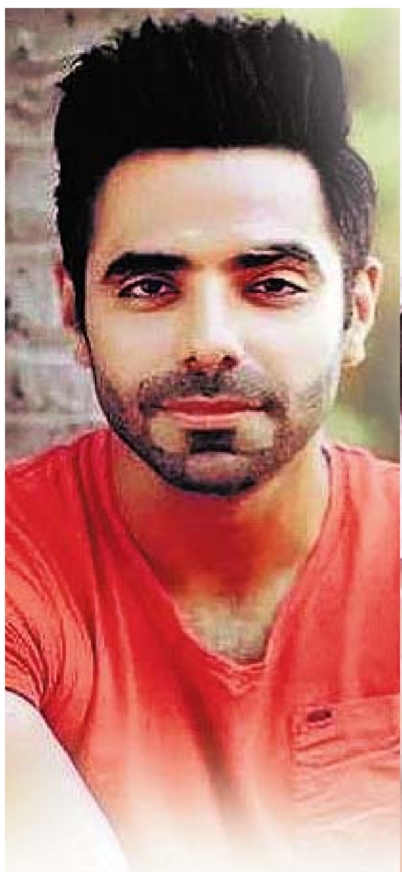

इमरान हाशमी की आगामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और क्लिप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी' का निर्दशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

नाइला ग्रेवाल को कैसे मिली एटली की फिल्म 'राका'

फिल्ममेकर एटली एक नई फिल्म 'राका' लेकर आ रहे हैं। इस पर काम जारी है। इसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार में होंगी। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री नाइला ग्रेवाल भी जुड़ी हैं। अभिनेत्री ने एटली के साथ काम करने के अपने अनुभव को बताया है।

नाइला ने की एटली की तारीफ

नाइला ग्रेवाल कहती हैं 'वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत बड़े पैमाने, ऊंचे मुकाम और अलग तरह की कहानी कहने के अंदाज पर काम करते हैं। इतनी बड़ी फिल्म को हकीकत का रूप देने के लिए जितनी लगन और मेहनत की जरूरत होती है वो वही कर सकते हैं।' नाइला ग्रेवाल बॉलीवुड में अपने 11 साल के करियर के बाद, 'राका' से साउथ में डेब्यू कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट एटली और अल्लू अर्जुन के बीच पहला सहयोग भी है। ग्रेवाल बताती हैं कि यह मौका तब मिला जब उन्होंने अपनी पहली मुलाकात में एटली के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा 'उन्होंने उस बातचीत को आगे बढ़ाया। उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने पर विचार किया, जिसने अब तक सिर्फ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया हो।'

नाइला ग्रेवाल का वर्कफ्रंट

2015 में इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली यह एक्ट्रेस हाल ही में 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में वकील के किरदार में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ रवि किशन, निधि बिष्ट, अनंत जोशी और अंजुम बत्रा भी थे।

32 की लड़की, शादी का दबाव और किराए के दूल्हे की खोज... मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरुआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरुआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

सोनम बाजवा के साथ बनेगी नवाजुद्दीन की जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा; कहा- बेटे पर पूरा भरोसा है

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की।

बेटे की काबिलियत पर भरोसा है गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। एक्टर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की काबिलियत पर पूरा भरोसा है। यश अपनी मां सुनीता आहूजा के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। मां-बेटे की यह जोड़ी प्रोड्यूसर एकता कपूर की फिल्म से लॉन्च होगी। समाचार एजेंसी से बात करते हुए सुनीता ने इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म के सितंबर में रिलीज होने की उम्मीद है और यह भी बताया कि वह पर्दे पर भी यश की मां का किरदार निभाएंगी।

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला। 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर.....

'आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
22 जुलाई 2026

संक्षिप्त समाचार

मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

बाकू में भारत के विश्व धरोहर स्थलों की प्रदर्शनी का आगाज

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की राजधानी बाकू में स्थित भारतीय दूतावास परिसर में भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक, अजरबैजान के सांसद, व्यापारिक समुदाय, ट्रैवल ऑपरेटर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटेट अजरबैजान प्रमुख अन्ना सोवे ने संयुक्त रूप से किया। वर्तमान में भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक व 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।

भ्रष्टाचार में चाइना विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच

बीजिंग, एजेंसी। चाइना डेवलपमेंट बैंक के पूर्व अध्यक्ष ओउयांग वेइमिन पर गंभीर अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में शिकंजा कसा गया है। चीन की शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी संस्था ने रविवार को उनके खिलाफ जारी जांच की जानकारी दी। केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने संक्षिप्त बयान में बताया कि राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग के साथ मिलकर ओउयांग वेइमिन के खिलाफ जांच की जा रही है। ओउयांग ने 1986 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल होकर अपना कॅरियर शुरू किया था और वे पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में भी रहे।

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने कर दिया बड़ा ऐलान, बोले- लागू नहीं होगा इस्लामी कानून

औगाडौगू, एजेंसी। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने हाल ही में देश के इस्लामीकरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो अपने देश में कभी भी शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने उन छात्रों वापस देश न आने की चेतावनी दी है जो शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब गए हैं। इब्राहिम ट्राओरे ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन देश में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बुर्किना फासो में कभी भी शरिया कानून नहीं लागू होगा। बुर्किना फासो लंबे समय से धार्मिक हिंसा का शिकार रहा है। यहां इस्लामी आतंकवादियों के कई संगठन सक्रिय हैं, जो देश में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्राओरे का एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब जाने वाले छात्रों से कहा, अगर आप तकनीकी शिक्षा और कौशल हासिल करने के बजाय केवल शरिया पढ़ने जा रहे हैं, तो वहीं रहें। आपको वापस लौटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां आपकी वापसी की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी उन्होंने धार्मिक सद्भाव, राष्ट्र निर्माण और अतिवाद के खिलाफ अपनी सरकार की नीति को रेखांकित करते हुए की। हालांकि, इस बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इब्राहिम ट्राओरे का जन्म 14 मार्च 1988 को हुआ था। उन्होंने सितंबर 2022 में सैन्य तख्तापलट के बाद बुर्किना फासो की सत्ता संभाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 35 साल थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने देश को भ्रष्टाचार, विदेशी प्रभाव और जिहादी हिंसा से मुक्त कराने का वादा किया। ट्राओरे खुद को पैन-अफ्रीकी, राष्ट्रवादी और एंटी-इंपीरियलिस्ट नेता मानते हैं। उन्होंने अल-साहेल स्टेट्स गठबंधन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थानीय परंपराओं के आधार पर न्याय व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। उनके शासन में बुर्किना फासो ने फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों से दूरी बढ़ाई और रूस समेत अन्य देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर चौथी बार गूंजी किलकारी: पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद हुआ ऐसा संयोग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर खुशियों ने दस्तक दी है। उनकी पत्नी और अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। नवजात का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। यह पल अमेरिकी इतिहास के लिए बेहद खास बन गया है। दरअसल, पिछले 156 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। वेंस दंपती ने खुद सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह खुशखबरी दुनिया के साथ साझा की।

पूरा परिवार खुशियों से सराबोर : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नए मेहमान के आने से उनके बाकी तीनों बच्चे बेहद उत्साहित हैं। एलेक नील अब वेंस परिवार के तीन बड़े भाई-बहनों के साथ शामिल हो गया है। इस परिवार में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मीराबेल पहले से हैं। वेंस दंपती ने इस खास मौके पर वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों और व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का दिल से आभार व्यक्त किया है।

जनसांख्यिकी और राजनीति का अनोखा संयोग : जेडी वेंस हमेशा से अमेरिका में घटती जन्म दर पर चिंता जताते रहे हैं। वह देशवासियों से अधिक बच्चे पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। साल 2025 में एक रैली के दौरान भी उन्होंने देश में बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। वह अक्सर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेशी दौरों पर जाते दिखाई देते हैं। भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी उषा वेंस के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। इस गर्भावस्था के दौरान वह लगातार मीडिया की सुर्खियों में बनी रहीं।

156 साल पुराना दुर्लभ इतिहास : अमेरिका के इतिहास में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है जब शीर्ष पदों पर बैठे नेता कार्यकाल के दौरान माता-पिता बनते हैं। इससे पहले साल 1870 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति शूयलर कोलफैक्स के घर बेटे का जन्म हुआ था। वहीं, साल 1829 में उपराष्ट्रपति जॉन सी कैलहोन के घर बच्चे ने जन्म लिया था। वेंस का यह बच्चा ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के घरों में हाल ही में हुए 'बेबी बूम' का हिस्सा है, जहां कई बड़े अधिकारियों के घर बच्चों की किलकारियां गूंजी हैं।

दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है। मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था। कोलफैक्स से पहले उपराष्ट्रपति जॉन सी. कैलहून ने 1829 में अपने बेटे विलियम का स्वागत किया था। 41 वर्षीय जेडी वेंस अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति हैं। रिपब्लिकन नेता वेंस, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक बनकर उभरे हैं। उषा वेंस ने इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस सवाल पर भी बात की थी कि क्या वह और जेडी वेंस अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले साल एक इंटरव्यू में इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'कभी भी 'कभी नहीं' मत कहिए। '

उषा बाला चिलुकुरी के रूप में जन्मी अमेरिका की सेकंड लेडी भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे और उनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। उनके परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश से जुड़ी हैं, इसलिए उनके बेटे एलेक नील वेंस के जन्म को भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए भी विशेष महत्व के रूप में देखा जा रहा है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2014 में शादी की थी।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है। ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा (MV Barima) नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री : गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं। इसके बावजूद हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं निगरानी गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिस पोर्ट कैतूमा के लिए फेरी जा रही थी, वह एस्सेक्विबो क्षेत्र में स्थित है, जो लंबे समय से गुयाना और वेनेजुएला के बीच विवाद का केंद्र रहा है। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने और हादसे की वजह का पता लगाने पर है।

पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत, कई घर मलबे में तब्दील

लीमा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

पुरानी इमारतों को भारी नुकसान : यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग : स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' : पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

ये स्पेन नहीं, अमेरिका की जीत है... ट्रंप के बयान से मची हलचल, अगले वर्ल्ड कप पर कही ये बात

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रविवार को भव्य समापन हो गया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही स्पेन ने 16 साल बाद दोबारा फुटबॉल के इस महाकुंभ पर कब्जा जमाया है। मुकाबला इतना कड़ा था कि निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा।

फेरान टोरेस का ऐतिहासिक विजयी गोल : मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त खेल देखने को मिला। खेल के 106वें मिनट में वह क्षण आया जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निको विलियम्स के शानदार पास को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो खिताबी जीत साबित हुई।

यह अमेरिका की बड़ी जीत है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेष रूप से राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर 'मरीन वन' से फाइनल मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो के साथ मिलकर विजेता टीम स्पेन को वर्ल्ड कप ट्रॉफी सौंपी। भले ही खिताब स्पेन के नाम रहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे अमेरिका की एक बड़ी सफलता और जीत करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया कि अमेरिका भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है और इस सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को एक साथ लाने का काम किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप इस टूर्नामेंट की मेजबानी और इससे मिले अंतरराष्ट्रीय प्यार से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने फीफा अध्यक्ष को अगला वर्ल्ड कप भी जल्द से जल्द फिर से अमेरिका में कराने का सुझाव दे डाला है। गौरतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की थी। शुरुआत में सख्त वीजा नियमों और कुछ विशेष देशों के प्रशंसकों पर पाबंदियों के कारण अमेरिकी प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन फाइनल के सफल समापन ने ट्रंप के आत्मविश्वास को बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट के अन्य बड़े पुरस्कारों की बात करें तो, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतकर इतिहास रचा, जबकि स्पेन के उनाई सिमोन को 'गोल्डन ग्लव' से नवाजा गया।

यूक्रेन पर रूस का चौतरफा वार ! 41 मिसाइलों और 125 ड्रोनों ने राजधानी कीव में मचाई भारी तबाही, लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध ने एक बार फिर भीषण रूप ले लिया है। रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोनों और गाइडेड बमों से चौतरफा हमला बोला। इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हमले ने यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर दिया है, जो रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में संघर्ष करता नजर आया।

41 मिसाइलें और 125 ड्रोनों से हमला

यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने रविवार रात करीब 1:30 बजे अपना ऑपरेशन शुरू किया, जो कई घंटों तक चला। मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि इनमें से अधिकांश का निशाना राजधानी कीव थी।

कई शहरों में तबाही : राजधानी के अलावा, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर हुए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खेरसॉन और सुमी शहरों को भी रूसी गाइडेड बमों ने निशाना बनाया, जहां जनहानि की खबरें हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब रूसी हमले पहले के मुकाबले कहीं अधिक बार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों में मानसिक तनाव और डर का माहौल है।

यूक्रेन ने किया पलटवार : रूस के इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि यूक्रेनी यूनिट्स ने स्टावरोपोल इलाके के तीन तेल डिपो और ब्लैक सी में मौजूद रूसी टैंकरों पर हमले किए हैं। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने रात भर में यूक्रेन के 140 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस ने यह भी कहा कि उनके हमले केवल सैन्य उद्देश्यों और ड्रोन निर्माण इकाइयों तक सीमित थे।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव की सुरक्षा मजबूत करने के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम बनाने का लाइसेंस देने की बात कही है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बात साफ हो गई है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तेल उद्योग और ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने की ओर मुड़ गया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.